TITLE CODE : UPMUL00792

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

लोक पहल

शाहजहाँपुर, शनिवार 21 जनवरी 2023 | शाहजहाँपुर से प्रकाशित | वर्ष :1, अंक :45 पृष्ठ :8, मूल्य 2 रुपये

संक्षेप

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बांटे 71 हजार नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रोजगार मेले के तहत देशभर के 71,426 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों को इस मंत्र के साथ काम करना चाहिए कि नागरिक हमेशा सही होता है। पीएम मोदी ने कहा कि रोजगार मेला हमारे सुशासन की पहचान बन गया है। यह हमारे वादों को निभाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का वसीयतनामा भी है।

पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि पिछले कुछ वर्षों में सरकारी कर्मचारियों की भर्ती की प्रक्रिया आसान हो गई है और उन पुरानी मुश्किलों से भी आजाद हो गयी है जो अक्सर सरकारी नौकरी के रास्ते में आती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा की इस तरीके को आसान और पारदर्शी बनाया गया है। एक पारदर्शी और बेहतर भर्ती प्रक्रिया लोगों की योग्यता और क्षमता को पुरस्कृत करती है। उन्होने कहा कि यह रोजगार मेला उनकी सरकार की पहचान बन गया है।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित हुए रोजगार मेला के दौरान कहा कि पिछले साल 10 लाख लोगों को रोजगार देने के लिए रोजगार मेला अभियान की घोषणा की गयी थी। कई राज्य जहां भाजपा और उसके सहयोगी दल सत्ता में हैं वहां भी मेला आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जल्द ही अधिक राज्य जल्द ही ज्यादा से ज्यादा राज्य रोजगार मेला आयोजित करेंगे।

स्मिता मिश्रा और सुधांशु एसजेएफ के कार्यकारी सदस्य मनोनीत

नई दिल्ली एजेंसी। वरिष्ठ पत्रकार स्मिता मिश्रा को भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले केंद्रीय कार्यकारी सदस्य के रूप में नामित किया गया है। दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पत्रकार सम्मेलन ने मिश्रा को कार्यकारी सदस्य मनोनीत किया। इसी तरह अनिरुद्ध सुधांशु की अध्यक्षता में सार्क जर्नलिस्ट्स फोरम इंडिया चौप्टर की 25 सदस्यीय समिति को मनोनीत भी किया गया है।

इंडिया चौप्टर के अन्य सदस्य एमएच जकारिया (छत्तीसगढ़), अली अहसान बापी (पश्चिम बंगाल), अमरेंद्र पांडेय (यूपी), अनिल साबले (महाराष्ट्र), शरद मिश्रा (एमपी), फयाज कुरैशी (कश्मीर), मोरूप स्टानजिन (लद्दाख) को भी कार्यकारी सदस्यों के रूप में नामांकित किया हैं।

इसी तरह नाहिदा कुरैशी (छत्तीसगढ़), प्रकाश उप्रेती (उत्तराखंड), रवींद्र प्रकाश खरात (महाराष्ट्र), रजनीकांत तिवारी (दिल्ली), रविशंकर (दिल्ली), शुभंकर मुखर्जी (त्रिपुरा), सुवांसु बोरा (असम), थिल्लई नटराजन (तमिलनाडु) और विवेक कुमार जैन (उ.प्र.) को भी इंडिया चौप्टर का कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया हैं ।

जी-20 समिट के लिए प्रदेश के कई शहरों में वॉकाथन का आयोजन

लखनऊ में सीएम योगी ने हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

लोक पहल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में जी–20 समिट के लिए वॉकाथन का आयोजन किया गया है। आम जनता को जोड़ने के लिए चार शहरों में वॉकाथन का आयोजन किया गया है। लखनऊ, आगरा, वाराणसी और नोएडा में मैराथन वॉकाथन का आयोजन किया गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में जी–20 वॉकाथॉन को झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में यूपी आगे बढ़ रहा है। देश आजादी का अमृत महोत्सव बना रहा है। हमने पूरी दुनिया को अपना सामर्थ दिखाया। हम पूरी दुनिया को अपना परिवार मानते हैं। 24 जनवरी को यूपी अपना स्थापना दिवस मनाएगा। उत्तर प्रदेश सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जी–20 में दुनिया के वे 20 बड़े देश हैं जहां दुनिया की 60 फीसदी से अधिक आबादी निवास करती है, जिनसे 75 फीसदी से अधिक ट्रेड है, 85 प्रतिशत जीडीपी पर आता है। दुनिया के वे 20 बड़े देश जी–20 के नाम से जाने जाते हैं और दुनिया के उन 20 बड़े देशों का नेतृत्व आज प्रदेश को मिला है।

खबरदार : नकल करते पकड़े गए तो लगेगी रासुका

योगी सरकार ने सख्त किये बोर्ड परीक्षा के नियम

लोक पहल

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ सरकार इस बार उत्तर प्रदेश बोर्ड परीक्षा को और भी कड़ाई के साथ लागू करने की तैयारी में है। अब हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा में बैठा यूपी बोर्ड का कोई छात्र अगर नकल करता है तो उस पर छै। यानी राष्ट्रीय सुरक्षा कानून यरासुकाद्ध के तहत कार्यवाही की जाएगी। इतना ही नहीं सामूहिक नकल की जानकारी मिलने पर फौरन परीक्षा को निरस्त करने के साथ ही परीक्षा केंद्र को भी डिबार कर दिया जाएगा। इस बार की परीक्षा में प्रश्न पत्र को रखने के लिए प्रिंसिपल के रूम से अलग एक कमरा तैयार किया जाएगा।

माध्यमिक शिक्षा विभाग के महानिदेशक विजय किरण आनंद ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए यह सभी निर्देश जारी किए हैं। साथ ही यह निर्देश भी दिया गया है कि केंद्र व्यवस्थापक और स्टैटिक मजिस्ट्रेट की लिस्ट जल्द से जल्द तैयार कर ली जाए। गौरतलब है कि अगले महीने 16 फरवरी से हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं शुरू होने जा रही हैं। परीक्षा की तैयारी को लेकर महानिदेशक ने डीआईओएस मनोज कुमार और जॉइंट एजुकेशन डायरेक्टर आरपी शर्मा के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग किया।

महानिदेशक की तरफ से यह स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि परीक्षा के दौरान अगर कोई भी छात्र नकल संबंधी गतिविधि में पकड़ा जाता है तो उसके खिलाफ रासुका के तहत कार्यवाही की जाए। इसके साथ ही प्रश्न पत्र की सुरक्षा के मद्देनजर सेंटर पर प्रधानाचार्य कक्ष से अलग एक स्ट्रॉग रूम बनाया जाए। साथ ही केंद्र और आंतरिक व्यवस्थापक की सूची भी तैयार की जाए।

राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के प्रावधान के तहत अगर किसी भी व्यक्ति से कोई खतरा नजर आता है तो उसे हिरासत में लिया जा सकता है। और यदि सरकार को ऐसा लगता है कि कोई व्यक्ति देश के लिए खतरा है तो उसे गिरफ्तार भी किया जा सकता है। रासुका के तहत किसी संदिग्ध व्यक्ति को 3 महीने के लिए बिना जमानत के हिरासत में रखा जा सकता है। और इसकी अवधि बढ़ाकर 12 माह तक की जा सकती है।

संत के संकल्प से 'रोशन' हुआ शहीद का गांव

पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री स्वामी चिन्मयानंद की पहल पर बदल रही है नवादा दरोबस्त की तस्वीर

लोक पहल

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर की पहचान यहां के क्रांतिकारियों से है, वे क्रांतिकारी जिन्होंने भारत की स्वाधीनता के लिए खुशी खुशी अपना सर्वोच्च बलिदान दे दिया किंतु अफसोस की बात है कि इन क्रांतिकारियों से जुड़ी विरासते आजादी के बाद भी अपनी पहचान को तरसती रहीं। खिरनीबाग स्थित पंडित राम प्रसाद बिस्मिल के पुश्तैनी घर को स्मारक बनाए जाने की लड़ाई आज भी नागरिक समुदायों द्वारा लड़ी जा रही है वहीं दूसरी ओर आजादी के सत्तर वर्षो तक खुदागंज ब्लाक में स्थित अमर क्रांतिकारी ठाकुर रोशन सिंह का पैतृक गांव नवादा उपेक्षा का शिकार रहा। जब स्थानीय निवासियों ने वर्ष 2017 में प्रदेश सरकार बदलने के बाद पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री स्वामी चिन्मयानंद का ध्यान गांव की दुर्दशा की ओर आकर्षित किया तो स्वामी चिन्मयानन्द ने गांव के कायाकल्प का संकल्प ले लिया। एक दिन वे स्वयं ही नवादा दरोबस्त पहुंच गए जहां पलके बिछाए अवाम ने उनका फूल मालाओं से स्वागत किया। स्वामी चिन्मयानन्द ने उपस्थित जनसमूह से कहा कि गरीबी और दरिद्रता से निकलने के लिए सब से ज्यादा जरूरी शिक्षा है। गांव वालो ने उन्हें बताया कि पिछले तीस वर्षो से अधिक समय तक वे गांव में इंटर कालेज की मांग कर रहे है किंतु कोई सुनवाई नहीं हो रही। इस पर स्वामी चिन्मयानन्द ने गांव में एक इंटरमीडिएट कालेज तथा डिग्री कालेज खुलवाने का संकल्प लिया। उनके संकल्प को पूरा करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी तत्परता दिखाई और शहीद के गांव के विकास के लिए स्वयं विशेष रूचि लेकर कार्य किया। उनकी रूचि को देखते ही प्रशासन शासन में हलचल तेज हो गई। एसडीएम तिलहर और तत्कालीन जिला विद्यालय निरीक्षक जो अनेक वर्षों से संबंधित रिपोर्ट रोक हुए थे, ने चौबीस घंटे के भीतर अपनी रिपोर्ट तत्कालीन जिलाधिकारी अमृत त्रिपाठी को सौंप दी गई। उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री की पहल पर स्वामी चिन्मयानन्द के संकप को शीघ्र पूरा कराने के दिशा निर्देश स्थानीय प्रशासन को दिए गए। एक बड़ी समस्या भूमि की थी इस पर गांव के लोग सामने आ गए, उनके द्वारा तीस बीघा जमीन गांव की उन्नति हेतु दान की गई। 19 दिसंबर 2019 को स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नवादा पहुंचे और स्वामी चिन्मयानन्द के साथ मिलकर डिग्री कालेज तथा इंटर कालेज के लिए भूमि पूजन किया। अब महाविद्यालय तथा इंटर कालेज बन कर तैयार है और इसी वर्ष से इसमें प्रवेश शुरू हो गए है, इसका नामकरण अमर शहीद ठाकुर रोशन सिंह के नाम पर किया गया है। महाविद्यालय की एक खास बात इसके कमरों का पुलवामा शहीदों के नाम पर नामकरण है। यही नहीं अपितु जिला प्रशासन द्वारा यहां एक सौ छत्तीस से अधिक सरकारी योजनाओं को शुरू करने का प्रस्ताव पास है। गांव के घर घर में विद्युत पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। स्वामी चिन्मयानन्द की पहल पर रोडवेज बस सेवा गांव तक शुरू की गई है। एक खेल स्टेडियम, दुग्ध संग्रह केंद्र, ताकि गांव के किसानों की आमदनी बढ़ सके। पुलिस चौकी, मोक्षधाम, अस्पताल की चर्चा इस समय है। बातचीत के दौरान एक ग्रामीण ने बताया कि 'हमारा गांव एक उपेक्षित गांव था, बरसात के दिनो मे दाह संस्कार तक के लिए भारी मशक्कत का सामना करना पड़ता था किंतु स्वामी चिन्मयानंद के संकल्प के चलते अब गांव में चहुंओर विकास कार्य हो रहा है। कई ग्रामीणों ने इसके लिए स्वामी चिन्मयानन्द के साथ–साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शहीद रोशन सिंह के गांव के विकास के लिए ली गई व्यक्तिगत रूचि की भी सराहना की।

फाइल फोटो-दिसम्बर 2018 में शहीद रोशन सिंह के परिजनों को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व शहीद रोशन सिंह के गांव का निरीक्षण करते स्वामी चिन्मयानन्द, डीएम अमृत त्रिपाठी व अन्य

जिंदगी जिंदादिली को जान ऐ रोशन....

डा. प्रशांत अग्निहोत्री
साहित्यकार

आजादी का मार्ग फूलों की सेज नहीं है। इस पथ पर कॉटे बिछे हैं लेकिन इसके अंत में आजादी का पूर्ण विकसित फूल आने वाले थके यात्री की प्रतीक्षा करता है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के यह कथन ठाकुर रोशन सिंह के जीवन और बलिदान को पूर्णरूपेण रेखांकित करता है।

ठाकुर रोशन सिंह ठाकुर रोशन सिंह, शाहजहाँपुर जिले के ग्राम नवादा के रहने वाले थे। माँ कौशल्या देवी और पिता जंगीसिंह, के परिवार में जन्मे रोशन, एक दिलेर व्यक्ति थे। वह वर्नाक्यूलर मिडिल क्लास की परीक्षा पास थे। देश प्रेम का अनन्य भाव उनके हृदय में था। गांधीजी के आवाहन पर जब देश में असहयोग आंदोलन प्रारंभ हुआ तो उस आंदोलन के दौरान सन् 1922 में शाहजहॉपुर जिले से बरेली में आयोजित होने वाले विशाल प्रदर्शन में ठाकुर रोशन सिंह के नेतृत्व में वॉलिंटियर्स का एक जत्था गया था। इस आंदोलन में उनकी गिरफ्तारी हुई थी और उन्हें दो वर्ष की सजा मिली थी। गांधी जी द्वारा अचानक असहयोग आंदोलन को वापस लिए जाने से युवाओं में गहरी निराशा उत्पन्न हुई और उनमें से बहुत से अहिंसा का मार्ग छोड़कर क्रांति के रास्ते पर चल पड़े। विभिन्न क्रांतिकारी दलों ने मिलकर हिंदुस्तान प्रजातंत्र संघ का गठन कर लिया। उत्तर भारत में क्रांतिकारी गतिविधियां तेज हुई और शाहजहॉपुर इसका केंद्र बन गया। ठाकुर रोशन सिंह रामप्रसाद बिस्मिल से प्रभावित होकर क्रांतिकारी संगठन से जुड़ गए। रोशन सिंह के बारे में मन्मथ नाथ गुप्त ने लिखा है कि, 'रोशन सिंह असहयोगी बनने से पहले छोटे–मोटे सामंती सरदार थे, जिनमें वे सभी बुराइयॉ थी जो सामंतवाद की विशेषता थी। असहयोग में कूदने के बाद वह बिल्कुल बदल गए।....मुझे ऐसा लगता है कि रोशन सिंह एक बेचौन आत्मा थे। राजनीतिक कार्य में यानी असहयोग में उनकी वीर प्रवृत्ति को एक रास्ता मिल गया और उन्होंने अपने पुराने गलत सामंती तरीके छोड़ दिए। जेल से छूटने के बाद वे रामप्रसाद के संपर्क में आए। रामप्रसाद उनके पुराने इतिहास को जानते थे और अब यह कहा जा सकता है कि उन्होंने रोशन सिंह को दल में लेकर बहुत सही फैसला किया।' 9 अगस्त 1925 को राम प्रसाद बिस्मिल की अगुवाई में 10 युवकों ने क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए पैसे का इंतजाम करने के उद्देश्य से काकोरी में ट्रेन को रोककर सरकारी खजाने को लूट लिया। रोशन सिंह इस अभियान में नहीं गए थे, बाद में उन्हें उनके क्रांतिकारियों से संपर्क को देखते 26 सितंबर 1925 को गिरफ्तार कर लिया गया। रोशन सिंह काकोरी के अभियुक्तों में सबसे अधिक उम्र के थे। गिरफ्तारी के समय उनकी उम्र 36 वर्ष थी। काकोरी षड्यंत्र में गिरफ्तार होने पर जेल की व्यवस्थाओं और सरकार की दमनकारी नीति के विरुद्ध उन्होंने 7 अप्रैल 1927 से 13 अप्रैल 1927 तक 6 दिनों की भूख हड़ताल की थी। ब्रिटिश सरकार ने क्रांतिकारियों पर डकैती और ब्रिटिश सम्राट के विरुद्ध युद्ध का आरोप लगाया था, इसके बावजूद क्रांतिकारियों को राजनीतिक कैदियों की श्रेणी में नहीं माना जा रहा था। क्रांतिकारियों को जेल में बहुत ही खराब स्थितियों में रखा जा रहा था। इसी के विरुद्ध काकोरी षड्यंत्र के क्रांतिकारियों ने अपनी–अपनी जेलों में

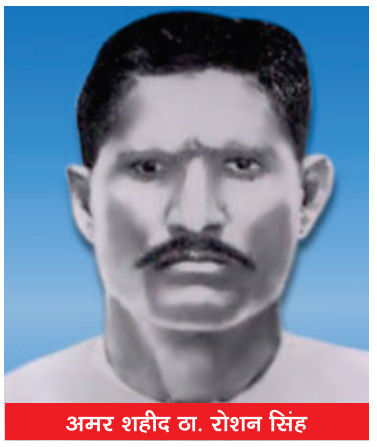

अमर शहीद ठा. रोशन सिंह

भूख हड़ताल की थी। 6 अप्रैल 1927 को जॉर्ज हैमिल्टन ने सजा सुनाई। रोशन सिंह को इंडियन पेनल कोड की धारा 121(अ) और 120 (ब) के अंतर्गत 5 वर्ष की कठोर कारावास की सजा दी गई। साथ ही उन्हें बमरौली डकैती कांड में मौत की सजा सुनायी तो अंग्रेजी न जानने के कारण फाइव इयर्स ही उनकी समझ में आया, उन्होंने सोचा कि उन्हें केवल पाँच वर्ष की ही सजा हुई है। उन्हें इतनी कम सजा मिलने का बहुत दुख हुआ। परन्तु आगे के निर्णय में धारा 396 के अन्तर्गत मिली मौत की सजा को वह नहीं समझ सके। उनकी सजा सुनकर पास खड़े दुबलिश जी ने प्रेम से उन्हें अपने आगोश में ले लिया। इस पर उन्होंने दुबलिश जी से पूछा, 'फाइव इयर्स फाइव इयर्स के आगे यह जज क्या बक गया?' इस पर दुबलिश जी ने जब उन्हें बताया कि जज ने आपको राष्ट्रभक्ति का सबसे बड़ा पुरस्कार यानी मृत्यु दण्ड दिया है. तब उनका चेहरा स्वाभिमान और हर्ष से चमक उठा। सजा के बाद रोशन सिंह को इलाहाबाद जेल भेज दिया गया।

ठाकुर साहब 19 दिसम्बर 1927 इलाहाबाद जेल में तैयार बैठे थे। जैसे ही जेलर का बुलावा आया, वे मुस्कुराते हुये गीता हाथ में लेकर चल पड़े। फाँसी पर चढ़ते हुये उन्होंने 'वन्देमातरम' और 'ओम' शब्दों का उद्घोष किया। भारत माँ का एक और लाड़ला अपनी देशभक्ति का उदाहरण प्रस्तुत करते हुये इस दुनियाँ से चला गया। शहादत के बाद जब जेल से बाहर उनका शव लाया गया तो लोग उसे जुलूस उसकी शक्ल में ले जाना चाहते थे , पर ब्रिटिश अधिकारियों ने इसके लिए अनुमति नहीं दी। इलाहाबाद की शमशान भूमि में आर्य समाजी रीति रिवाज से उनका दाह संस्कार कर दिया गया।

फाँसी के लगभग छः दिन पूर्व उन्होंने जेल से अपने एक मित्र को पत्र लिखा इस सप्ताह के भीतर फाँसी होगी। ईश्वर से प्रार्थना है कि वह आपको मोहब्बत का बदला दे। आप मेरे लिये हरगिज रंज न करें। मेरी मौत खुशी का बाइस होगा। दुनियाँ में पैदा होकर मरना जरूर है। दुनियाँ में बदफैली करके मनुष्य अपने को बदनाम न करें और मरते वक्त ईश्वर की याद रहे यही दो बातें हैं। इसलिये मेरी मौत किसी अफसोस लायक नहीं है।....हमारे धर्म शास्त्रों में लिखा है कि जो आदमी धर्म युद्ध में प्राण देता हैं उसकी वही गति होती है जो जंगल में रहकर तपस्या करने वाले की।' **जिन्दगी जिन्दा दिली को जान ऐ रोशन, वरना कितने मरे और पैदा होते जाते हैं।** अपने प्राणों को देश के बलि पथ पर अर्पित कर ठाकुर रोशन सिंह एक ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसने देश के युवाओं वे क्रांति की ज्वाला भरी। इस ज्वाला में साम्राज्यवाद अंततः स्वाह हो गया। राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान और ठाकुर रोशन सिंह जैसे वीर

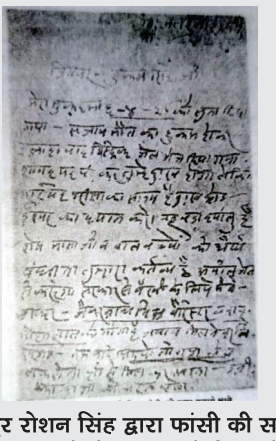

ठाकुर रोशन सिंह द्वारा फांसी की सजा सुनाए जाने के बाद अपने मित्र को लिखा गया पत्र

सपूतों ने अपनी शहादत से देश का मस्तक ऊंचा किया। उनकी प्रेरणा से सैकड़ों युवाओं ने अपने बलिदान और संघर्ष से भारत माता के मस्तक को झुकने नहीं दिया और देश अंततः आजाद हो गया। बिस्मिल द्वारा अपने अंतिम क्षणों में कही गई यह पंक्तियां सच साबित हुईं–**मरते बिस्मिल, रोशन, लहरी, अशफाक अत्याचार से, होंगे पैदा सैकड़ों उनके रुधिर की धार से।।** काकोरी के क्रांतिकारियों के बलिदान के बाद 20 वर्षों तक देश की आजादी का संघर्ष चलता रहा। उनके बलिदान सफल हुए और ब्रिटिश साम्राज्य का कभी न अस्त होने वाला सूर्य अस्त हो गया।

भारत के क्रांतिकारी आंदोलन की दूसरी लहर का नेतृत्व किया था शाहजहाँपुर ने

डा. विकास खुराना
इतिहासकार

भारत के क्रांतिकारी आंदोलन मे सन १८५७ के बाद तीन लहरे उठी थी, यह तीनो ही अपनी पूर्ववर्ती लहर से अभिप्रेरित थी। प्रथम् जब स्वदेशी आंदोलन खतम हो गया, दूसरी असहयोग आंदोलन के असफल होने पर और तीसरी नेता जी सुभाषचंदर बोस के नेतृत्व मे आजाद हिंद सेना की। इनमे से दूसरी लहर का नेतृत्व अपने शहर शाहजहाँपुर के युवाओं ने किया था और इसकी चरम परिणीति भगत सिंह के समय आई। शाहजहाँपुर के तीनो ही शहीदों ने उस समय कांग्रेस का ही साथ दिया जब गांधी जी ने एक वर्ष मे स्वराज्य दिलाने का संकल्प लिया था। पंडित राम प्रसाद बिस्मिल तब जिला कांग्रेस कमेटी के ऑडिटर थे, उस समय ठाकुर रोशन सिंह गाँव गाँव मे घूम घूम कर गांधी जी की ही नीतियों का प्रसार कर रहे थे। पंडित राम प्रसाद बिस्मिल ने अहमदाबाद कांग्रेस अधिवेशन मे भी भाग लिया था जहाँ शहर के युवाओं प्रेम किशन खन्ना,अशफाक और स्वयं बिस्मिल ने मंच से ही गांधी जी की अहिंसा नीति की आलोचना की थी।असहयोग की विफलता के बाद ही तीनो क्रांतिकारी युवाओं का मन गांधी जी से हट गया और रूस के क्रांतिकारियों की

प्रेरणा से वे कुछ बड़ा करने की सोचने लगे।सचिंद्र सन्याल के साथ मिलकर बिस्मिल ने हिंदुस्तानी प्रजातंत्रिक एसोशियेशन का गठन किया और भारत मे एक सशत्र क्रांति ला कर अंग्रेजी दमन को खतम करने की ठानी। बहुचर्चित काकोरी एक्शन और उसके बाद शहीदों की फांसी से यह मुहीम रुकी नहीं बल्की पंजाब के युवा क्रांतिकारी नेता सरदार भगत सिंह ने इसका नेतृत्व संभाल लिया,सरदार भगत सिंह ने दिल्ली के फिरोज शाह कोटला मे हुई एक गोपनीय बैठक मे हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोशियेशन का नाम हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपबालिकन एसोशियेशन कर दिया और भारत मे समाजवादी तरीके के गणतंत्र का सपना संजोया। वर्ष १९३१ मे सरदार भगत सिंह,राजगुरु और सुखदेव की फांसी के बाद भी आजादी की लहर रुकी नहीं बल्की चटगाँव के सूर्यसेन ने इसको और धार दे दी, १९३३ मे उनकी फांसी और कल्पना वाडेकर, सुनीति चटरजी की शाहदत के बाद कुछ वर्ष लोकतान्त्रिक तरीको के रहे लेकिन जल्द ही वर्ष १९३९ मे फॉरवर्ड ब्लाक की स्थापना करने वाले नेता जी सुभाष चंद्र बोस भेष बदलकर भारत से निकल गये,आने वाले वर्षो मे उन्हे और बड़े कामो को अंजाम देना था। जनपद गजेटियर बताता है कि नेताजी भी शहर दो बार आये थे और शहरवासियो द्वारा उन्हे वक हजार रुपये चंदे स्वरूप दिये गये जो बाद मे आजाद हिंद फौज के काम आये,इस फौज मे भी शाहजहाँपुर के अनेक जवान भर्ती थे।

फांसी से कम मंजूर नहीं था ठाकुर रोशन सिंह को

सुशील दीक्षित विचित्र

काकोरी एक्शन के लिए क्रांति वीर राम प्रसाद विस्मिल, अशफाक उल्ला खां , राजेंद्र लाहड़ी और ठाकुर रोशन सिंह को फांसी की सजा हुई थी द्य इनमें रोशन सिंह एक ऐसा किरदार है जो सबसे अधिक निडर था और उसे फांसी उसे कम मंजूर नहीं था। रोशन सिंह भी उन युवकों में से थे जो गांधी जी द्वारा असहयोग आंदोलन लेने से न केवल क्षुब्ध थे बल्कि देश की आजादी के लिए कोई और रास्ता अपनाना चाहते थे। यही आतुरता उन्हें राम प्रसाद विस्मिल के करीब लायी। वे दक्ष निशानेबाज थे इसीलिये उन्हें युवकों को निशानेबाजी सिखाने का काम दिया गया। उन्हें बमरौली कांड में सजा हुयी या अंग्रेजों ने उन्हें काकोरी एक्शन से भी जोड़ कर अपने टार्गेट पर ले लिया। सभी गिरफ्तार क्रांतिवीरों को लखनऊ जेल की बैरक नं0 ग्यारह में रखा गया। मुकदमें के फैसले से दो दिन पहले दोपहर को राम प्रसाद विस्मिल, रोशन सिंह, शचीन्द्र वख्शी, मन्मथ नाथ गुप्त, राजेंद्र लाहड़ी, राम कृष्ण खत्री , दुवलीश आदि क्रांतिकारियों ने एक नाटक खेला जिसमें खत्री जज हेमिलटन बनें। उन्होंने काल्पनिक फाइल खोल कर सब का अपराध बताते हुये सजा सुनाने लगे। उन्होंने, विस्मिल, अशफाक और लाहड़ी को फांसी की सजा सुनाइ, खूब मखौल करके शचीन्द्र को फांसी की सजा सुनाने के बाद फैसला बदल कर दस साल की सजा दी। अंत में होने रोशन सिंह पर अपना काल्पनिक फैसला सुनाते हुए

कि ठाकुर रोशन सिंह, ग्राम नवादा जिला शाहजहांपुर तथा अन्य लोगों पर कोई संगीन आरोप सिद्ध नहीं होता है इसलिए अदालत विशेष कृपा करते हुए उन्हें पांच साल की सजा देती है। इस पर रोशन सिंह भड़क गये और जज (खत्री) को पीटने की धमकी देने लगे। खत्री ने इसे अदालत का अपमान बताते हुये पंद्रह दीं की सजा बढ़ा दी। रोशन सिंह और अधिक नाराज हो गये। सभी क्रांतिकारी मंद मंद मुस्करा रहे थे। शचीन्द्र ने रोशन सिंह को समझाते हुये मजाक को और गहरा किया, अरे आप बच्चों पर नाहक बिगड़ते हैं। वैसे सबूत के हिसाब से आप को कम ही सजा होगी। इसके बाद रोशन सिंह की शचीन्द्र से नोंकझोंक शुरू हो गयी। किसी तरह सबने मिल कर उन्हें शांत कराया। दो दिन बाद जब असली फैसला में रोशन सिंह को भी फांसी की घोषणा जज ने की तो उन्होंने अपने साथियों को बहुत गर्व से देखा। मन्मथ नाथ गुप्त को चौदह साल की कठोर सजा हुयी थी। वे लिखते हैं कि सजा सुनने के बाद वे जब बाहर आये तो उन्होंने अनायास ठाकुर साहब के पैर छू लिए, उन्हें नैनी जेल इलाहाबाद भेजा गया था, जब सब कैदी अलग अलग जेलों में शिफ्ट करने के लिए भेजे जा रहे थे द्य ट्रेन में उनसे फिर मुलाकात हुयी। हथकड़ी और बेड़ी में जकड़े रोशन सिंह के चेहरे पर शांति थी। डिब्बे के यात्रियों को जब दोनों कैदियों के बारेमें पता चला तो उन्होंने दोनों आपने सामने की सीट खाली कर दी। रास्ते भर दोनों में कोई बात नहीं हुयी। ठाकुर साहब सो गये। स्टेशन आने पर उन्हें जगाया गया। वे जंजीरे खंखाते हुए उठे, डिब्बे के नीचे जब मन्मथ नाथ ने उनके पैर छुये तो उन्होंने का उद्घोष किया। फिर वे कुछ कुछ क्षण बाद उच्चारते हुए आगे बढ़ गये। गुप्त जी लिखते हैं कि वह उन्हें देखते रहे, फिर वे एक मोड़ पर मुड़ का ओझल हो गये और इसके बाद उन्हें कभी नहीं देखा।

आज कुछ मुक्तक

एक

पुष्प शूलों में रहे,
पर मुस्कुराता है,
दान मधु का दे,
भ्रमर को उर लगाता है।
सेज की सज्जा करे,
चाहे चढ़े शव पर,
हर किसी को मुस्कुराकर
वह सजाता है।

दो

दीपशिखा पर शलभ प्राण
न्योछावर कर देता है
किन्तु प्रेमियों के उर में,
नवजीवन भर देता है।
मौन साधनारत रहना,
यों तो अत्यंत है दुष्कर,
किन्तु मौनसाधक संसृति को,
शाश्वत स्वर देता है।

तीन

भले जुगनू सही,
पर भूमिका अपनी निभाएँगे,
भले झिलमिल सही,
लेकिन तमिस्रा को हराएँगे,
अरे! हम सूर्य के वंशज,
अँधेरो! मिट नहीं सकते,
हुए माटी अगर तो
दीप बनकर टिमटिमाएँगे !

राजेन्द्र वर्मा लखनऊ

मत हमसे प्यार करो

हम सौदागर आँसू लेकर खुशियां देते हैं।
सोच-समझ लो फिर हमसे जी भर व्यापार करो। मत हमसे प्यार करो।
रस्ते-रस्ते फूल बिछाते, काँटे चुनते हैं।
मीठी-मीठी बातें करते, कड़वी सुनते हैं।
चलते-चलते राहों में हैं जो हमको मिलते,
रंग-बिरंगे उन धागों से रिश्ते बुनते हैं।
जीत तुम्हारी, नाम हमारे केवल हार करो।
सोच-समझ लो फिर हमसे जी भर व्यापार करो।
मत हमसे प्यार करो। थके हुए सिर पर हम ठंडी छाया करते हैं।
और घाव पर मीठा लेप लगाया करते हैं।
बेच रहे अपनापन कोई हाथ बढ़ा ले लो,
इसके बदले जितनी हो सब कड़वाहट दे दो।
दूर फेंक दो तलवारें मत पैनी धार करो।
सोच-समझ लो फिर हमसे जी भर व्यापार करो।
मत हमसे प्यार करो। द्वारे-द्वारे जाकर हम कुंडी खटकाते हैं।
'अरे उदासी ले आओ' आवाज लगाते हैं।
तन रोता, मन खुश है अपनी यही निशानी है।
पीड़ा के गायक हैं अपनी यही कहानी है।
प्रेम बढ़ाओ नहीं किसी पर कोई वार करो।
सोच-समझ लो फिर हमसे जी भर व्यापार करो।
मत हमसे प्यार करो।

अभिषेक ठाकुर 'अधीर'

गजल

आप की फितरत ने किसको
अब सगा रहने दिया।
फिर सुबह को एक बच्चा
अनमना रहने दिया।
टूटना उसका हुआ आवाज
तक आई नहीं,
सामने पाषाण रख दर्पण
खड़ा रहने दिया।
वह जो कहना शेष है यदि
अब कहे तो व्यर्थ है,
हसरतों के फूल को
कुचला हुआ रहने दिया।
मुस्कराया चोट का उत्तर
दिया मुस्कान से,
दोस्तों के वास्ते दिल को
बड़ा रहने दिया।
आंधियों की देह ने मकरन्द
छोड़ा ही नहीं,
पर 'कमल' ने खुशबुओं का
सिलसिला रहने दिया।

कमल 'मानव'

व्यंग्य कविता

समाज के दाद-खाज़
छिपाता जो काला राज़,
वही है सफ़ेदपोश आज।

जिसको न चिंता काज,
वही पी बना दारुबाज।
महंगी चीजों का दाज,
वही है चेन लुटेरा बाज।

अधूरी इच्छा गिरी गाज,
वही बजाता ईर्ष्या साज।
बाप बड़ा न भैया नाज,
सबसे बड़ा रुपैया बाज।

मेरा काम बनता आज,
भाड़ में जनता काज।
बुराई को न आती लाज,
वही बढ़ाता दाद-खाज़।

सूर्यदीप कुशवाहा

पवित्र मन्त्र

बोध कथा

अलखकांत श्रीवास्तव

एक गरीब औरत एक साधु के पास गई और बोली, 'स्वामी जी! कोई ऐसा पवित्र मन्त्र लिख दीजिये जिससे मेरे बच्चों का रात को भूख से रोना बन्द हो जाये।' साधु ने कुछ पल एकटक आकाश की ओर देखा फिर अपनी कुटिया में अन्दर गए और एक पीले कपड़े पर एक मन्त्र लिखकर उसे ताबीज की तरह लपेट-बाँधकर उस महिला को दे दिया। साधु ने कहा, 'इस मन्त्र को घर में उस जगह रखना, जहाँ नेक कमाई का धन रखती हो।' महिला खुश होकर चली गई। ईश्वर कृपा से उस दिन उसके पति की आमदनी ठीक हुई और बच्चों को भोजन मिल गया। रात शान्ति से कट गई। अगले रोज भोर में ही उन्हें पैसों से भरी एक थैली घर के आंगन में मिली। थैली में धन के अलावा एक पर्चा भी निकला, जिस पर लिखा था, कोई कारोबार कर लें। इस बात पर अमल करते हुवे उस औरत के पति ने एक छोटी सी दुकान किराए पर ले ली और काम शुरू किया। धीरे धीरे कारोबार बढ़ा, तो दुकानें भी बढ़ती गईं और जैसे पैसों की बारिश सी होने लगी। पति की कमाई तिजोरी में रखते समय एक दिन उस महिला की नजर उस मन्त्र लिखे कपड़े पर पड़ी– 'न जाने, साधु महाराज ने ऐसा कौन सा मन्त्र लिखा था जिससे कि हमारी सारी गरीबी दूर हो गई?' सोचते-सोचते उसने वह मन्त्र वाला कपड़ा खोल डाला।

'जब पैसों की तंगी खत्म हो जाये, तो सारा पैसा तिजोरी में छिपाने की बजाय कुछ पैसे ऐसे घर में डाल देना जहाँ से रात को बच्चों के रोने की आवाजें आती हों।' करुणा के साथ उपयोग किए जाने पर धन, ज्ञान और आध्यात्मिक धन महान संपत्ति हैं। ऐसी सम्पत्तियों का संचय ठहरे हुए जल के समान है, जो स्वयं किसी काम का नहीं है। इसके बजाय यह बहते हुए पानी की तरह होना चाहिए। जब ऐसी शक्तियाँ हमें ईश्वर द्वारा प्रदान की जाती हैं तो इससे दूसरों के साथ साझा करना चाहिए, तब यह सच्चे आशीर्वाद में बदल जाती है। 'हमारे आस-पास बहुत से लोग हैं जो कि परेशान और पीड़ित हैं और हमें उनकी सहायता और सेवा करने को मानवता की सेवा करने के अवसर के रूप में समझना चाहिए। प्रार्थना मदद करती है, लेकिन यह अंतिम उपाय होना चाहिए। जहाँ भी और जब भी संभव हो, आइए हम अपनी सहायता और सेवाओं का विस्तार करें।'

घूंघट

लघुकथा

बरसों बाद अपनी सहेली से मिलने गई कामिनी उसकी हालत देख लगभग खीझते हुए बोली-'ओ हो बसंती! तू भी किस जमाने में जी रही है दिन भर चकरघिन्नी की तरह काम करती है इस बेतहाशा गर्मी में, ऊपर से यह घूंघट आजकल घूंघट निकालता ही कौन है 20 बरस हो गए तेरी शादी को निकाल फेंक इस घूंघट को तुझे कोई परेशानी हो तो ला तेरी सासू मां से मै बात करती हूं' जवाब में बसंती शब्दों में रूखापन लिए बोली-'कामिनी! सासू मां से बात करने की कोई जरूरत नहीं है यह तो मैंने स्वेच्छा से अपनी सुविधा के लिए निकाल रखा है' 'क्या ?' कामिनी का मुंह खुला का खुला रह गया 'हां कामिनी ! ये घूंघट नहीं आड़ है घर में शांति बनाते रखने के लिये जरुरी है मेरे आंसुओं का हिसाब किताब कोई और न रखें।

मीरा जैन उज्जैन

26 जनवरी को होगा महात्मा रामचंद्र जी महाराज की प्रतिमा का अनावरण

रामचन्द्र मिशन के अध्यक्ष 'दाजी' वर्चुअली करेंगे 'सहजमार्ग' जंक्शन का लोकार्पण

लोक पहल

शाहजहांपुर। गणतंत्र दिवस पर जब देश में जश्न का माहौल होगा देशभक्ति ज्वार उफान पर होगा यह दिन श्री रामचंद्र मिशन के अनुयायिओं के लिए भी अविस्मरणीय होगा, कारण है कि इस दिन श्री रामचंद्र मिशन के संस्थापक महात्मा रामचंद्र जी महाराज (बाबूजी) की शाहजहांपुर में स्थापित विश्व में पहली सार्वजनिक प्रतिमा का अनावरण श्री रामचंद्र मिशन के अध्यक्ष कमलेश डी. पटेल (दादी) द्वारा वर्चुअल रुप से किया जाएगा। 'सहजमार्ग' जंक्शन के रूप में विकसित किये गये पार्क में स्थापित महात्मा श्री राम चन्द्र जी महाराज की प्रतिमा के बारे में जानकारी देते हुए मिशन के प्रशिक्षक माधोगोपाल अग्रवाल ने बताया कि बाबू जी महाराज की प्रतिमा का निर्माण जयपुर में वियतनाम से मंगाये गये पत्थर से किया गया है। यह प्रतिमा 8 फुट ऊंची और करीब 5 फुट चौड़ी है। उन्होंने बताया कि 'सहजमार्ग' जंक्शन में श्रीराम चन्द्र मिशन और हार्टफुलनेस से जुड़ी सभी जानकारियां भी उपलब्ध कराये जाने का प्रयास है। महात्मा श्री रामचन्द्र जी महाराज की यह प्रतिमा सार्वजनिक रूप से विश्व में लगने वाली पहली प्रतिमा है। बता दें कि श्री राम चन्द्र मिशन के संस्थापक महात्मा रामचंद्र जी महाराज (बाबूजी) का जन्म 30 अप्रैल 1899 को उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में हुआ था। उनके पिता एक वकील और प्रसिद्ध विद्वान थे जिन्होंने रामचंद्र को अंग्रेजी, उर्दू और फारसी में बड़े पैमाने पर शिक्षित किया था। उन्होंने शाहजहांपुर जिला अदालत में तीस साल से अधिक समय तक नौकरी की। उनकी शादी 19वर्ष की उम्र में भगवती देवी से हुई थी। बाबूजी के दो बेटियों और चार बेटे थे। बाबूजी का जीवन एक साधारण गृहस्थ का था। उन्होंने घर और परिवार को आध्यात्मिकता के लिए बेहतरीन प्रशिक्षण मैदान माना। उन्होंने अपनी आध्यात्मिक शिक्षा अपने आप पर शुरू की। 1922 के जून में बीस वर्ष की उम्र में, वह अपने आध्यात्मिक गुरु फतेहगढ़ निवासी महात्मा रामचंद्र जी महाराज (लालाजी) से मिले। लालाजी की आध्यात्मिक विरासत को आगे बढ़ाना बाबूजी के जीवन का एकमात्र लक्ष्य बन गया।

1945 में, बाबूजी ने अपने गुरु के सम्मान में शाहजहांपुर में श्री राम चन्द्र मिशन की स्थापना की। 1972 में उन्होंने भारत के बाहर के देशों को सहज मार्ग साधना पद्धति का प्रचार शुरू कर दिया। बाबूजी ने अपने जीवन को मानवता के आध्यात्मिक उत्थान के लिए समर्पित किया। आज 'सहज मार्ग साधना पद्धति' विश्व में एक आध्यात्मिक आंदोलन बन चुका है, बाबूजी 19 अप्रैल 1983 में 83 वर्ष की आयु में ब्रह्मलीन हो गए ।वर्तमान में श्री राम चन्द्र मिशन के अध्यक्ष पूज्य श्री कमलेश डी पटेल (दाजी) 'हार्टफुलनेस मेडीटेशन' के माध्यम से सम्पूर्ण विश्व के प्रत्येक व्यक्ति के दिल को सहज मार्ग साधना पद्धति के प्रकाश से दैदीप्यमान करने का कार्य कर रहे हैं। वर्तमान में मिशन विश्व के 165 देशों में संचालित हो रहा है, अनावरण समारोह को पूरे विश्व में प्रसारित किया जाएगा

सम्पादकीय

भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ एमएसएमई के सामने बड़ी चुनौतियां

उत्तर प्रदेश में अगले माह इन्वेस्टर्स समिट के जरिए करोड़ो रूपए के निवेश का लक्ष्य रखा गया है इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री सहित तमाम मंत्रियों व अधिकारियों ने विदेशों की खाक छानकर निवेश लाने के लिए भरसक प्रयास किये हैं। वे अपने प्रयास में इतने कामयाब होंगे यह तो समिट के बाद ही पता चलेगा लेकिन फिलहाल देश में जो स्थित है उसमें यह माना जा सकता है कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम यानी एमएसएमई भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। देश के औद्योगिक उत्पादन का तीस प्रतिशत एमएसएमई क्षेत्र से आता है, अड़तालीस प्रतिशत निर्यात में इनका योगदान है और रोजगार की दृष्टि से देखें तो कृषि के बाद कम पूंजी लागत पर सर्वाधिक रोजगार का सृजन करके देश के सामाजिक–आर्थिक विकास में यह क्षेत्र महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

इस क्षेत्र को मजबूत बनाकर ही बड़े उद्योगों को मजबूत बनाया जा सकता है, मगर सबसे बड़ी समस्या यह है कि इस उद्योग के पास संसाधनों की कमी है। आईआइए के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल का कहना है कि एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों के पास न तो ज्यादा वित्तीय पूंजी होती है और न ही बड़े उद्यमियों की तरह इन्हें व्यवसाय की कोई अच्छी समझ होती है। ज्यादातर सूक्ष्म और लघु उद्योग ग्रामीण इलाकों या कस्बों में लगे हैं, इसलिए इन्हें अवसंरचनात्मक सुविधाओं जैसे, बिजली, सड़क, पानी आदि की समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों का विकास, उनकी बाजार तक पहुंच, उत्पादों की गुणवत्ता, समय पर ऋण की उपलब्धता और प्रौद्योगिकी के उन्नयन आदि कारकों पर निर्भर करता है। जीएसटी लागू होने के बाद भी छोटे उद्यमों पर काफी असर पड़ा है। कोई भी उद्यम अगर अपने आप को आज के दौर की उन्नत तकनीक में नहीं ढालता, तो वह औद्योगिक प्रतिस्पर्धा में पिछड़ जाता है, लेकिन इन तकनीकों के महंगे होने के कारण छोटे उद्योग इनका उपयोग नहीं कर पाते, जिसका असर उनके उत्पादन पर पड़ता है।

इन उद्यमियों को विलंबित भुगतान होने के कारण दो प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पहली समस्या है विलंबित भुगतान की, जिसकी वजह से वे आने वाले आदेश के लिए कच्चा माल नहीं खरीद पाते। दूसरे, उसकी वजह से उनकी साख पर प्रभाव पड़ता है और बैंकों से कर्ज लेना और भी मुश्किल हो जाता है। एक समस्या यह है कि इस क्षेत्र के चालीस प्रतिशत से अधिक उद्यमियों के पास वित्त के औपचारिक स्रोतों तक पहुंच ही नहीं है, यानी वे बैंकिंग क्षेत्र से कर्ज ही नहीं ले पाते। अर्थव्यवस्था को और मजबूती देने और उसकी रफ्तार बढ़ाने के लिए सशक्त और आत्मनिर्भर एमएसएमई का होना बहुत आवश्यक है। अनेक सरकारी सुविधाओं और योजनाओं के बावजूद अभी यह क्षेत्र अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है, जिसके समाधान के लिए समुचित प्रयास होने चाहिए।

अच्छे उत्पादन के लिए बिजली की निर्बाध आपूर्ति जरूरी है। उद्योगों के विकास के लिए, अच्छी सड़कें और परिवहन व्यवस्था सही होना भी बहुत जरूरी है। एमएसएमई क्षेत्र में मुख्य समस्या कुशल श्रमिकों की आती है। सरकार को कौशल विकास कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए अधिक से अधिक प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना करनी चाहिए, ताकि विभिन्न कार्यों के जानकार और कुशल कारीगर अधिक संख्या में उपलब्ध हो सकें। निर्यात के क्षेत्र में एमएसएमई क्षेत्र बहुत बड़ी भूमिका अदा कर सकता है। इसके लिए अधिक पूंजी और आधारभूत ढांचे की जरूरत है,

देश हित में त्याग दी थी आईसीएस की अफसरी

कुलदीप दीपक

दुनिया में बहुत कम लोग होते हैं जिनका समाज श्रद्धा और सम्मान से स्मरण करता है। उनमें से एक नाम है नेताजी सुभाष चंद्र बोस का। देश भक्ति का भाव उनमें कूट–कूट कर भरा था। यद्यपि 18वीं सदी के प्रख्यात वकील जानकीनाथ बोस के बेटे थे। किसी तरह की सुख सुविधाओं की कमी नहीं थी, लेकिन गोरी सत्ता की अधीनता उन्हें रास नहीं आई। गोरी हुकूमत के भारत वासियों के प्रति अमानवीय दृष्टिकोण ने उनमे क्रांति की ज्वाला का संचार किया। प्रारंभ में उनको 5 वर्ष की आयु में बैपटिस्ट स्कूल में दाखिल कराया गया। यहां ईसाई संस्कृति उन्हें नहीं भायी। बेमन से पढ़ाई की। जब 12 वर्ष के हुए तो रावेंन्शा कॉर्लिजिएट स्कूल में दाखिल कराया गया। यह स्कूल पहले के स्कूल से बिल्कुल अलग था। इसके प्रधानाचार्य वेणी माधव दास गोरी सत्ता के घोर विरोधी थे। सुभाष बोस का यहां मन लगां वह माधव दास के विचारों से प्रभावित हुएं उनमें नई चेतना संचारित हुई। जिनकी चुनौती देने की सामर्थ्य दोगुनी हो गई समय कट्टा गया और सुभाष चंद्र में अंग्रेजो के खिलाफ घोर घृणा और क्रांति की भावना बलवती होती गई। इसी बीच कोलकाता में रामकृष्ण मिशन का वार्षिक समारोह हुआ। इसमें इन्होंने जब स्वामी विवेकानंद के विचारों को सुना तो उनकी विचारधारा को और बल मिला जीवन सुभाष राष्ट्र को प्रेम करने वालों के समर्थक संपर्क में आ रहे थे क्योंकि उनकी देश को आजाद कराने की चेतना जागती गई। उनके पिता बदलती फिजा को समझ रहे थे। कहीं सुभाष क्रांतिकारी मिशन पर ना निकल पड़े, लिहाजा उन्होंने

नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती पर विशेष

उन्हें लंदन भेज दिया। वहां सुभाष ने कैंब्रिज विश्वविद्यालय में दाखिला लिया। आईसीएस की परीक्षा दी। पास हुए। मैरिट लिस्ट में चौथा स्थान आया। भारतवासियों के स्वाभिमान के लिए उन्होंने आईसीएस अधिकारी बनकर गोरो के अधीन नौकरी करना मुनासिब नहीं समझा। सुभाष ने नौकरी न करने का संकल्प लिया। अपने घोषणा पत्र में उन्होंने लिखा मैं एक विदेशी सत्ता के अधीन काम नहीं कर सकता। इसलिए मैं भारतीय सिविल सेवा से इस्तीफा देता हूं। इससे ब्रिटिश सरकार के अफसरों में खलबली मच गई। वह इसका कारण जानने को बेताब हो गए। लिहाजा सुभाष को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया। सुभाष ने अधिकारी के सवाल पर साफ लफ्जो मे कहाः मेरे विचार से जो व्यक्ति सुदेश सेवा का संकल्प रखता हो, वह किसी विदेशी सत्ता के प्रति वफादार नहीं रह सकता। मुझसे ब्रिटिश सरकार के अधीन अफसरशाही का निर्वाह नहीं हो सकेगा । मेरा मकसद देश को स्वाधीन कराना है। जब सुभाष के इस संकल्प के बारे में समाचार पत्रों में छपा तो देश भक्ति के उनके इस जज्बे की चारों तरफ तारीफ हुई। आज जब देश स्वाधीन है, तो देश के ही लोग अपने जमीर को गिरवी रखकर चंद नोटों के लिए विदेशों में जाकर अपनी प्रतिभा का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे परिवेश में सुभाष चंद्र बोस की विचारधारा की जरूरत है । देश की प्रतिभाओं को नेता जी के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। उनके संकल्प को दोहराना चाहिएं। युवा विदेशी मुंह को तिलांजलि देकर मजबूत भारत की स्थापना के लिए आगे आए। अपनी प्रतिभा और क्षमता का इस्तेमाल कर समृद्ध सशक्त और वैभवशाली राष्ट्र बनाकर नेता जी के सपनों को साकार करें।

अभिरुचि और योग्यता को भी परखें

डा कनक रानी

छात्रों द्वारा आत्महत्या की दुरूखद घटनाएं माता–पिता/अभिभावक को उनकी अति महत्वाकांक्षी प्रवृत्ति पर विचार करने का, विद्यार्थियों का मनोबल ऊंचा करने का आग्रह करती हैं। विद्यार्थियों को मानसिक दबाव से मुक्त रखते हुए उचित मार्गदर्शन में उन्मुक्त व्यक्तित्व के विनिर्माण को प्राथमिकता दी जानी उचित है। यहां सर्वत्र प्रतियोगिता का भाव समीचीन नहीं। यह जिजीविषा को संवारने का, कौशल को निखारने का विषय है।

इसमें कोई संशय नहीं कि व्यक्ति के अंदर पृथक–पृथक प्रतिभाएं होती हैं। विद्यार्थी जीवन में अधिक अंक पाने में यदि असफलता मिलती है तो इसका अर्थ कदापि यह नहीं कि वह किसी भी क्षेत्र में सफल नहीं हो सकता, विद्यार्थी में इस विचार और विश्वास को उत्पन्न करना है। यह कार्य माता–पिता अभिभावक/शिक्षक बेहतर ढंग से संपादित कर सकते हैं। बालक को दुरूख–उद्विग्नता/हताशा/निराशा के भंवर से निकालकर जीवन के प्रति आशावान बनाना है, जिजीविषा को आहत करने बाली मनरूस्थिति से बचाना है, उसके मनोबल को अभिवृद्ध करना है। नकारात्मकता को परिवर्तित कर उसकी रचनात्मकता को उभारना है। आज माता–पिता और अभिभावकों को अपने अध्ययनरत बच्चों में यह प्रबल भाव जगाना होगा कि वे परिवार के लिए महत्वपूर्ण हैं, समाज के लिए आवश्यक हैं। यह ठीक है कि शिक्षा के माध्यम से बहुत से क्षेत्रों में अपने सपनों को आकार दिया जा सकता है। किंतु यह भी एक सत्य है कि अपनी रूचि और योग्यता के अनुसार कुशलता/मेधा का परिचय दिया जा सकता है, व्यावसायिक क्षेत्र आशान्वित कर सकता है, व्यावहारिक ज्ञान भी सफलता का पथ दिखा सकता है। इस दिशा में बहुविध विकल्पों को नजरअंदाज करना समीचीन नहीं।

शून्य सहिष्णुता से ही कसेगी नकल पर नकेल

शिशिर शुक्ला

हाल ही में 8 जनवरी को उत्तराखंड में लेखपाल भर्ती परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक हो गया। एसटीएफ के द्वारा किए गए खुलासे से पता चला कि लोक सेवा आयोग के अति गोपनीय कार्यालय में कार्यरत अनुभाग अधिकारी के द्वारा इस कृत्य को अंजाम दिया गया। आरोपी ने यह भी कबूला कि उसके द्वारा तीन अन्य महत्वपूर्ण परीक्षाओं के प्रश्न पत्र भी लीक कराए गए हैं। प्रति अभ्यर्थी तीस से पचास लाख में प्रश्नपत्र बेचने वाले आयोग के कार्मिक ने यह भी स्वीकार किया कि उसके द्वारा यह खेल विगत चार वर्षों से खेला जा रहा है। इस घटना के बाद उत्तराखंड सरकार के द्वारा नकलचियों पर लगाम लगाने एवं नकल माफियाओं पर शिकंजा कसने के लिए एक सख्त नकल विरोधी कानून को अस्तित्व में लाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अनुसार यह देश का सबसे बड़ा नकल विरोधी कानून होगा। इसमें आरोपी पर दोष साबित होने पर उम्रकैद की सजा का प्रावधान किया गया है, साथ ही साथ नकल करने वाले दस साल तक किसी परीक्षा भर्ती में शामिल नहीं हो सकेंगे। नकल माफियाओं की संपत्ति जब्त करने का प्रावधान भी इस कानून के अंतर्गत किया गया है। ऐसा ही कठोर कदम राजस्थान सरकार के द्वारा उठाया गया, जिसमें शिक्षक भर्ती परीक्षा का पेपर आउट हो जाने पर नकल गिरोह के सरगना के घर पर बुलडोजर चला दिया गया। दोनो ही सरकारों के निर्णय निस्संदेह सराहनीय हैं।

कोई भी भर्ती परीक्षा किसी प्रतियोगी के लिए एक स्वर्णिम अवसर के समान होती है। भारत जोकि शीघ्रातिशीघ्र जनसंख्या के मामले में संपूर्ण विश्व में अव्वल होने की ओर अग्रसर है, बेरोजगारी की ज्वलंत समस्या से भी जूझ रहा है। अपने घर से दूर रहकर प्रतियोगी विद्यार्थी तपस्वी जैसा जीवन जीने को विवश होता है, क्योंकि उसे केवल और केवल अपना लक्ष्य दिखाई देता है। ऐसी स्थिति में जबकि वह अपने परिश्रम को प्रतिफल के रूप में परिणत करने के लिए पूर्णरूपेण तैयार होता है, बड़े–बड़े नकल माफिया एक रची हुई साजिश के तहत प्रश्नपत्र आउट कराने जैसा घृणित कृत्य करके उसकी सारी उम्मीदों एवं मेहनत पर पानी फेर देते हैं। परीक्षा को आयोजित करने वाले निकाय के अंदर का ही कोई लालची व्यक्ति पैसे के लिए स्वयं को एक स्तर से भी नीचे गिराने में जरा भी नहीं हिचकता और नतीजा यह होता है कि शासन के द्वारा प्रतियोगियों के लिए किए जा रहे समस्त प्रयास एवं व्यवस्थाएं निरर्थक हो जाती हैं। साथ ही साथ प्रतियोगी विद्यार्थियों के लिए उम्मीद की किरण निराशा के अंधकार में तब्दील हो जाती है।

उत्तर प्रदेश में भी करीब तीन दशक

पहले 1992 में तत्कालीन सरकार के द्वारा नकल रोकने का अध्यादेश बोर्ड परीक्षाओं में लागू किया गया था। इसके तहत नकल करने एवं कराने दोनों को अपराध घोषित करते हुए नकलचियों को जेल भेजने का कानून बनाया गया। नतीजा यह हुआ कि हाईस्कूल परीक्षा का परिणाम लगभग 15 प्रतिशत एवं इंटरमीडिएट का लगभग 30 प्रतिशत रहा, लेकिन नकल के मामले पर अच्छा खासा नियंत्रण करने में सफलता मिली। बाद में अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए दूसरी सरकार के द्वारा इस कानून को खत्म कर दिया गया। यहां पर एक बात ध्यातव्य है कि किसी बड़ी परीक्षा का प्रश्नपत्र यूं ही नहीं आउट हो जाता है, बल्कि इसके पीछे भलीभांति सोची समझी साजिश एवं परीक्षा प्रभारी निकाय के चुनिंदा भ्रष्ट लोगों की बड़े बड़े माफियाओं से मिलीभगत होती है। आज बड़े–बड़े कोचिंग सेंटर भी अपने परिणाम व प्रदर्शन की उत्कृष्टता को सुनिश्चित करने एवं मोटी कमाई करने के उद्देश्य से इस घिनौने कृत्य में संलिप्त हैं। किसी तरह मामले का पर्दाफाश होने से बच गया तो फिर उनकी बल्ले बल्ले हो जाती है। इन सभी घटनाओं का सर्वाधिक दुष्प्रभाव उन अभ्यर्थियों पर पड़ता है जो गरीब व मध्यमवर्गीय परिवारों से निकलकर प्रयागराज, लखनऊ व दिल्ली जैसे शहरों में कठिन परिश्रम एवं त्याग–तपस्या से युक्त जीवन जीते हैं। प्रश्नपत्र आउट हो जाने के खेल का खुलासा न हुआ, तो न जाने कितने अयोग्य अभ्यर्थी इन परिश्रमी युवाओं पर हावी होकर उनके स्थान पर हमेशा के लिए काबिज हो जाते हैं। यदि खुलासा हो भी गया तो परीक्षा स्थगित होती है और पुनः परीक्षा आयोजित होती है जिसमें सच्चे प्रतियोगियों का अमूल्य समय बर्बाद होता है। आए दिन किसी न किसी राज्य में प्रतियोगी परीक्षाओं का प्रश्नपत्र लीक होना एक आम बात सी होती जा रही है। प्रतियोगियों का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है। निश्चित ही शासन स्तर से इस समस्या को समाप्त करने के लिए एक कठोर कानून बनाए जाने की आवश्यकता है। एक ऐसा कानून जोकि केवल औपचारिकता न हो अपितु जिसके बारे में सोचकर ही नकलचियों एवं नकल माफियाओं के द्वारा नकल के विचार को पूर्णतया त्याग दिया जाए। यह कटुसत्य है कि बोर्ड परीक्षा में आवश्यकता से अधिक ढिलाई की वजह से ही उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाले अधिकांश विद्यार्थी गुणवत्ता एवं ज्ञान से विहीन हैं क्योंकि उन्होंने परीक्षा के भय एवं गंभीरता को अनुभव ही नहीं किया। बोर्ड परीक्षा को लेकर पुनः जेल जाने का कानून लाया जाना चाहिए। भले ही इससे परीक्षा परिणाम का प्रतिशत गिरेगा, किंतु उस नतीजे में केवल और केवल गुणवत्ता शामिल होगी। उसे किसी फिल्टर की आवश्यकता कदापि नहीं होगी। निस्संदेह उत्तराखंड सरकार द्वारा नकल पर सख्त कानून बनाने का निर्णय विद्यार्थियों की गुणवत्ता को सुधारने में प्रभावी साबित होगा।

शाहजहांपुर में करीब दो हजार करोड़ से लगेंगे उद्योग, बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

लोक पहल

शाहजहांपुर। प्रदेश सरकार की ओर से फरवरी में होने वाली ग्लोबल इन्वेटर्स समिट से पहले जिले में शाहजहांपुर इन्वेस्टर्स मीट में 1894.74 करोड़ रुपये के निवेश के लिए 77 उद्यमियों ने प्रस्ताव दिए। डीएम उमेश प्रताप सिंह ने उद्यमियों को जिले में औद्योगिक विकास के लिए बेहतर माहौल, सभी अनापत्तियां और सुरक्षा प्रदान करने का भरोसा दिया।

विकास भवन सभागार में हुई इन्वेस्टर मीट में उद्यमियों ने अपने अनुभव साझा किए। होटल ग्रान्ड आर्क के स्वामी सुरेश सिंघल ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने वर्ष 2018 में आयोजित इन्वेस्टर्स समिट में होटल की स्थापना हेतु एमओयू पर हस्ताक्षर किये थे, जिसके उपरान्त सभी कार्य अत्यंत शीघ्रता से पूर्ण हुए एवं आवश्यक अनुमतियां भी शीघ्रता के साथ मिलने से स्थापना में अत्यंत आसानी हुई। आईटी इंडस्ट्री के शिवम गोयल ने कहा कि उद्यमियों के इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से निवेश हेतु प्रेरित किया। इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से अल्ट्रा टेक सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट में 800 करोड़ का निवेश, वाईटीटी इंडस्ट्रीज प्रालि में 190 करोड़ का निवेश सहित कुल 77 उद्यमियों द्वारा 1894.74 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित किया गया, जिससे जनपद में 8610 लोगों से अधिक को रोजगार मिल सकेगा।

डीएम उमेश प्रताप सिंह ने बताया कि फरवरी 2023 में लखनऊ में इन्वेस्टर समिट है। इसको लेकर शाहजहांपुर में अधिक से अधिक उद्यमी निवेश का प्रस्ताव दें। इससे रोजगार सृजन की संभावनाएं बढ़ेंगी। उन्होंने जिले के सभी औद्योगिक संगठनों, इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, लघु उद्योग भारती कार्यक्रम में आए सभी उद्यमियों से अधिक से अधिक निवेश का आवाहन किया।

एसपी एस. आनंद ने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था है। उद्यमी बेखौफ होकर उद्यम स्थापित करें। उन्हें किसी भी प्रकार की असुरक्षा का सामना नहीं करना पड़ेगा। मुख्य विकास अधिकारी श्याम बहादुर सिंह ने उद्यमियों से कहा कि जिले में अपराध को कदम रखने का कभी अवसर नहीं मिला। इसलिए शाहजहांपुर में निवेश एवं उद्योगों को शाहजहांपुर निवेश और उद्योगों के विकास के लिए आदर्श है।

लोगों को स्वावलंबी बनाने का काम कर रहा है विनोबा सेवा आश्रम

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया विनोबा सेवा आश्रम का स्थापना दिवस समारोह

लोक पहल

शाहजहांपुर। विनोबा सेवा आश्रम का 43वां स्थापना दिवस समारोह हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। आश्रम परिसर में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व राज्यमंत्री अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि गांव, गरीब और जरूरतमंद व्यक्ति की बिना किसी भेदभाव से सेवा करना आश्रम का धर्म जैसा बन गया है। आश्रम में पिछले 43 वर्षो में सैकड़ों महिलाओं, पुरूषों और युवाओं को रोजगार से जोड़ने का कार्य किया है। श्री वर्मा ने कहा कि आश्रम के संस्थापक रमेश भैया गांव के लोगों का जीवन सुधारने के लिए कड़ा परिश्रम किया है। आश्रम से जुड़े कार्यकर्ताओं की मेहनत के कारण सरकार योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचा है। जमुना लाल बजाज पुरस्कार से सम्मानित विमला बहन ने गत 42 वर्षो की कड़ी मेहनत और तपस्या को याद करते हुए आश्रम द्वारा किये गये कार्यो की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वाबलंबन आश्रम के सूत्र रहे हैं। जिन पर आश्रम के कार्यकर्ताओं ने बहुत काम किया है। पत्रकार ओंकार मनीषी ने आश्रम की प्रगति और किये गये कार्यो की सराहना की और कहा कि विनोबा जी के सिद्धांतों सत्य, प्रेम और करूणा को आगे बढ़ाने का काम किया है। विनोबा सेवा आश्रम के संस्थापक रमेश भैया ने कहा कि सफर अभी जारी है हम अभी मंजिल तक नहीं पहुंचे हैं लेकिन हमें इस बात की खुशी है कि आश्रम की नई पीढ़ी ने भी आश्रम के कार्यो को अंगीकार कर गति देने का काम शुरू कर दिया है और सभी टीम भावना के साथ काम कर रहे है।

इस मौके पर राज्यपाल सिंह, मिथिलेश यादव, पंकज मिश्रा, रामबाबू सिंह, सुरेन्द्र पाल, रिजवान हैदर, प्यारे लाल यादव, वेदपाल सुमन, कौशल कुमार, जेडी अग्निहोत्री, दिनेश सक्सेना, आलोक सिंह, अमर सिंह आदि को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सचिव मोहित कुमार ने किया और आभार अजय श्रीवास्तव ने व्यक्त किया। इस अवसर पर सर्वेश कुमार वर्मा, विजेन्द्र वर्मा, विस्सन कुमार, श्यामपाल सिंह, अखलाक खां, मुदित कुमार, आशा सक्सेना, विद्या सक्सेना, शीना शर्मा, केपी सिंह, कमला सिंह, अखिलेश उपाध्याय, अनुराग तिवारी, अनिल सिंह, संदीप मिश्रा, विनय शर्मा आदि मौजूद रहे।

ज्योति मिश्रा बनी असिस्टेंट प्रोफेसर

लोक पहल

शाहजहांपुर। एस एस कॉलेज के वाणिज्य विभाग की पुरानी छात्रा डा ज्योति मिश्रा का चयन बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के प्रबन्ध एवं वाणिज्य संकाय में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर हो गया है। उनकी इस सफलता पर महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती, सचिव, डा एके मिश्रा, प्राचार्य प्रो आर के आजाद, वाणिज्य विभागाध्यक्ष, डा अनुराग अग्रवाल तथा शिक्षकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई दी। ज्योति मिश्रा शहर के खिरनी बाग निवासी अवकश प्राप्त बैंक प्रबंधक जी सी मिश्रा की पुत्रवधू हैं।

नायक जादुनाथ सिंह के परिजनों को मिले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वाली सुविधाएं : पदम सिंह

नायक जादुनाथ सिंह के सम्मान की जंग जारी रहेगी : मुनीश सिंह

लोक पहल

शाहजहापुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के तत्वाधान में पूरे जनपद में चलाए जा रहे महाजन सम्पर्क अभियान हमारी धरोहर हमारा अभिमान के तहत एक प्रतिनिधि मंडल अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के जिला अध्यक्ष पदम सिंह के नेतृत्व में परम वीर चक्र विजेता नायक जादुनाथ सिंह की जन्म स्थली ग्राम खजुरी पहुंचा और उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उनकी प्रतिमा पर उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए पदम सिंह ने कहा कि नायक जी के परिजनों को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के समान सुविधाएं मिलने की मांग की। कहा की क्षत्रिय समाज के लिय यह गौरव का विषय है कि हम सभी का सम्मान पूरे विश्व में नायक जी ने अपनी कुर्बानी दे कर बढ़ाया।

जिला महामंत्री मुनीश सिंह परिहार ने कहा कि नायक के सम्मान में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की जंग जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि नायक जी की कुर्बानी से समाज के युवा प्रेरणा लेकर देश सेवा और समाज सेवा के लिए आगे आए। इस मौके पर जिला प्रभारी पवन कुमार सिंह, सुमित सिंह भदौरिया, प्रीतम सिंह पुजारी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर प्रमुख रूप से उदित प्रताप सिंह, आर्यन सिंह, सत्यवीर सिंह चौहान, विजय प्रताप सिंह, राजेश सिंह चौहान, अनूप सिंह चंदेल, प्रदीप सिंह परमार, अरेंदर सिंह राठौर, दिनेश सिंह, करन सिंह, कोशलेंदर सिंह, पुष्पेंद्र सिंह, वीर भान सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

उपजा के जिलाध्यक्ष अभिनय व जिला महामंत्री बने पंकज

लोक पहल

शाहजहांपुर। नेशनल यूनियन आफ जर्नलिस्ट (इंडिया) के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मोहम्मद इरफान की अध्यक्षता में एक बैठक जेल रोड बहादुरपुरा स्थित उत्तर प्रदेश जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन के जिला कार्यालय पर सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से उत्तर प्रदेश जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन का जिलाध्यक्ष अभिनव गुप्ता को और जिला महामंत्री पंकज सक्सेना को मनोनीत किया गया। जबकि संरक्षक/मार्गदर्शक मंडल में वरिष्ठ पत्रकार मोहम्मद इरफान, ओंकार मनीषी, आरिफ सिद्दीकी, संजीव गुप्ता और प्रदेश उपाध्यक्ष सरदार शर्मा रहेंगे। इस दौरान नवनियुक्त जिलाध्यक्ष और जिला महामंत्री को फूलमाला पहनाकर बधाई दी और संरक्षण मंडल ने दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि जल्द ही उपजा कार्यकारिणी का गठन कर भव्य शपथ समारोह आयोजित किया जाए।

स्वादिष्ट व्यंजनों को बनाकर किया कला का प्रदर्शन

लोक पहल

शाहजहांपुर। एसएस पीजी कॉलेज के गृह विज्ञान विभाग में दो दिवसीय कुकिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डा. राकेश कुमार आजाद ने छात्राओं द्वारा बनाए हुए केक को काट कर किया। इस वर्कशॉप में गृह विज्ञान की छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के सुंदर और स्वादिष्ट व्यंजनों को बनाकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर कला संकाय अध्यक्ष डॉक्टर आलोक मिश्रा ने सभी छात्राओं को उनकी कार्यकुशलता को देखते हुए उन्हें संबोधित किया और अपना आशीर्वाद प्रदान किया। विभागाध्यक्ष डॉ विनीता राठौर ने सभी आगंतुकों का सादर आभार व्यक्त किया तथा गृह विज्ञान की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ अंजू अग्निहोत्री, डॉ नमिता शुक्ला, शिवांगी त्रिपाठी, प्रेरणा कश्यप ने छात्राओं को वर्कशॉप में अपना पूरा सहयोग प्रदान करते हुए उन्हें आगे कार्य हेतु प्रेरित किया और उनका मार्गदर्शन किया।

जय भारत संस्था ने जरूरतमंदो को बांटे कंबल और ऊनी वस्त्र

लोक पहल

शाहजहांपुर। सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संस्था जय भारत द्वारा गरीबों को राहत प्रदान करने हेतु अब्दुल्लागंज की मलिन बस्ती स्थित देवीदास बाल विद्या मंदिर के प्रांगण में विशेष राहत शिविर लगाकर कंबल तथा गर्म कपड़ों का वितरण किया गया। जिसमें बस्ती के बच्चों, बुजुर्गों एवं महिलाओं को गर्म वस्त्र वितरित किए गए। इस विशेष राहत शिविर के संयोजन में राजीव कृष्ण अग्रवाल, शोभित अग्रवाल, अतुल सक्सेना, आयुष अग्रवाल पूजा अग्रवाल,रमन गुप्ता, एकता सक्सेना, शशि गुप्ता आदि का सहयोग रहा। अंत में विद्यालय की प्रबंधक रीता गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अभी हम न थके हैं न टूटे हैं : शिवपाल यादव

बलिया की सभा में शिवपाल ने भाजपा पर जमकर साधा निशाना

लोक पहल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में इन दिनों सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चाचा शिवपाल सिंह यादव बड़ी चर्चा में हैं। अपने बयानों से वो लगातार अखिलेश के लिए सियासी पिच तैयार कर रहे हैं तो वहीं बीजेपी पर हमलावर हैं। अब समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और यूपी के पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल यादव ने कहा है कि साल 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद केन्द्र में बीजेपी की पराजय के फौरन बाद यूपी में भी बीजेपी की सरकार सत्ता से हट जाएगी और अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बनेंगे।

शिवपाल यादव ने बलिया के सहतवार कस्बे में जनसभा के दौरान दावा किया, '2024 के लोकसभा चुनाव के बाद केन्द्र की बीजेपी सरकार (सत्ता से) हट जाएगी। जैसे ही केन्द्र में बीजेपी की सत्ता खत्म होगी, उत्तर प्रदेश की सरकार भी 2027 के पहले (सत्ता से) हट जाएगी. उसके बाद अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बनेंगे।'

शिवपाल यादव ने नौजवानों से बीजेपी की सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए सड़क पर संघर्ष करने का आह्वान किया।

पूर्व मंत्री ने कहा, 'अभी हम थके या टूटे नहीं हैं. बीजेपी सरकार ने प्रदेश में अब जनता का उत्पीड़न किया तो हम तलवार व ढाल बन कर जनता की मदद करेंगे। आज ऐलान करने आया हूं कि अब संघर्ष होगा इसकी शुरुआत बलिया से ही होगी। शिवपाल यादव ने आरोप लगाया है कि बीजेपी सरकार ने गरीबों को पांच–पांच किलोग्राम चावल देकर 'भिखारी' बना दिया है. बीजेपी की केंद्र व राज्य सरकार ने झूठ बोल कर भगवान राम के नाम पर देश व प्रदेश की जनता को केवल ठगने का कार्य किया है।

मिशन 2024 के लिए भाजपा ने कसी कमर

मोदी, योगी, शाह और नड्डा सभी लोकसभा क्षेत्रों में करेंगे रैलियां

लोक पहल

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार केंद्र में भाजपा सरकार बनाने के लिए पार्टी के शीर्ष नेता प्रदेश को मथने की तैयारी कर रहे हैं। पहले चरण में गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लोकसभा क्षेत्रों में सभाएं, सम्मेलन और रैलियां कर चुनावी जमीन तैयार करेंगे। दूसरे चरण में लोकार्पण, उद्घाटन और शिलान्यास समारोह के जरिये प्रधानमंत्री भगवा माहौल बनाएंगे।

पार्टी ने पहले चरण में बसपा, सपा और कांग्रेस के कब्जे वाली 14 सीटों को चुना है। इन पर जेपी नड्डा, शाह और योगी की रैलियां होंगी। कुछ दिग्गज केंद्रीय मंत्रियों और संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारियों के कार्यक्रम भी होंगे।

पार्टी हारी हुई सीटों पर पहला दौरा करने के बाद जीतीं 66 सीटों पर फोकस करेगी। इनमें शाह, नड्डा और योगी के साथ उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक और केंद्रीय मंत्रियों के अलावा संगठन पदाधिकारी शामिल होंगे। फिर जून के बाद प्रधानमंत्री हर महीने लोकसभा क्षेत्रों का दौरा करेंगे। इसको लेकर शिलान्यास, लोकार्पण और उद्घाटन से जुड़ी परियोजनाओं की सूची बनाई जा रही है। संगठन की रणनीति है कि लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले सभी 80 सीटों पर पार्टी एक से दो बार उपस्थिति दर्ज कराकर भगवा माहौल बनाए।

प्राथमिक विद्यालयों में गणित व भाषा की चलेंगी विशेष कक्षाएं

प्राथमिक विद्यालयों में गणित व भाषा की चलेंगी विशेष कक्षाएं

लोक पहल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गणित और भाषा विषयों में कमजोर बच्चों को अब परीक्षा से डरने की जरूरत नहीं है। उन्हें इन विषयों में दक्ष बनाने के लिए सरकार एक प्रशिक्षण अभियान चलाने जा रही है जिसके तहत उच्च प्राथमिक विद्यालयों में छठवीं से आठवीं कक्षा तक के कमजोर बच्चों को गणित व भाषा विषय में दक्ष बनाने के लिए शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। दोनों विषयों के शिक्षकों के लिए पूरे प्रदेश में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलेगा। शिक्षकों को कमजोर बच्चों की विशेष कक्षाओं के प्रशिक्षण के लिए तैयार की गई विशेष शिक्षण सामग्री की जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम 28 फरवरी तक पूरा करने को कहा गया है।

महानिदेशक स्कूल शिक्षा ने सभी डायट प्राचार्यों को अपने–अपने यहां शिक्षण प्रशिक्षण की कार्ययोजना बनाकर शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के निर्देश दिए हैं। कहा है कि सबसे पहले प्रत्येक उच्च प्राथमिक विद्यालय के गणित के शिक्षक और फिर भाषा विषय के शिक्षक को तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाए। रोजाना 50–50 शिक्षकों के अलग–अलग सत्र प्रत्येक डायट में सुबह 9 से शाम 5 बजे के बीच होंगे। यदि प्रशिक्षण में शिक्षक गैरहाजिर मिले तो संबंधित विकासखंड के खंड शिक्षा अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

इसके तहत राज्य स्तर पर प्रत्येक जिले से शिक्षकों को बुलाकर संदर्भदाता प्रशिक्षण गणित का हो चुका है, जबकि भाषा का इसी महीने से प्रस्तावित है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा के अनुसार एक अप्रैल 2023 से 50 दिन तक विशेष रूप से तैयार कार्य पुस्तिका व संदर्शिका से प्रभावी कक्षा शिक्षण सुनिश्चित किया जाएगा।

बाल आयोग की सिफारिश खारिज, मदरसों में ही पढ़ेंगे गैर मुस्लिम बच्चे

लोक पहल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद ने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की उस सिफारिश को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें मदरसों में पढ़ने वाले गैर मुस्लिम बच्चों का दाखिला दूसरे स्कूलों में करवाने को कहा गया था। यह फैसला परिषद चेयरमैन डॉ इफ्तिखार अहमद जावेद की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया। आयोग ने पिछले दिनों सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर गैर मुस्लिम बच्चों को मदरसों से निकाल कर दूसरे स्कूलों में भेजने की सिफारिश की थी।

बैठक में अनुदानित मदरसों में एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकों से पढ़ाई के पहले हुए फैसले में संशोधन का निर्णय लिया गया। बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालयों में चरणबद्ध तरीके से एनसीईआरटी का पाठ्यक्रम लागू किया जा रहा है। वहां अभी कक्षा एक, दो और तीन में ही एनसीईआरटी का पाठ्यक्रम लागू किया गया है। बैठक में तय किया गया कि बेसिक शिक्षा विभाग की तर्ज पर ही मान्यता प्राप्त और अनुदानित मदरसों में चरणबद्ध तरीके से एनसीईआरटी का पाठ्यक्रम लागू किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश अशासकीय अरबी और फारसी मदरसा मान्यता, प्रशासन और सेवा नियमावली 2016 के संशोधन को लेकर हुई विशेषज्ञों की बैठक में मिले सुझावों को जोड़ते हुए नियमावली में संशोधन का प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। पिछले दिनों यूपी सरकार के निर्देश पर मदरसा शिक्षा बोर्ड ने मदरसा संस्थानों का सर्वे कराया है। मदरसा संस्थानों में शैक्षणिक स्थिति में सुधार के लिए योजना तैयार की जा रही है। माना जा रहा है कि सरकार मदरसा संस्थानों की शैक्षणिक स्थिति में सुधार के लिए जल्द ही कोई नीति जारी कर सकती है।

प्रदेश में तीन आइएएस अधिकारियों के तबादले

चंद्रभूषण सिंह बनाए गए परिवहन आयुक्त

लोक पहल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने तीन आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। मुजफ्फरनगर में नए डीएम और मुख्यालय स्तर पर परिवहन आयुक्त के महत्वपूर्ण पद पर नई तैनाती की गई है। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम मेरठ के प्रबंध निदेशक अरविंद मलप्पा बंगारी को मुजफ्फरनगर का डीएम बनाया गया है। अपर आयुक्त मेरठ मंडल व अपर आयुक्त उद्योग मेरठ मंडल चौत्रा वी. को पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम मेरठ का प्रबंध निदेशक बनाया गया है।

मुजफ्फरनगर के डीएम चंद्रभूषण सिंह को हटाकर अपर आयुक्त परिवहन के पद पर तैनाती देते हुए परिवहन आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार दिया है। चर्चा है कि रामपुर विधानसभा का उपचुनाव जीतने के बावजूद मुजफ्फरनगर के खतौली विधानसभा की सीट से हार सत्ताधारी दल को बेचैन किए हुए है। चंद्रभूषण का तबादला इस हार से भी जोड़कर देखा जा रहा है। लेकिन, जानकारों का कहना है कि चंद्रभूषण पर सरकार का भरोसा बरकरार है। उन्हें डीएम के पद से हटाने के बावजूद सचिव स्तर के बेहद महत्वपूर्ण जिम्मेदारी वाले परिवहन आयुक्त के पद पर तैनाती दी गई है।

पुत्र के बगावती तेवरों के बीच मेनका गांधी ने मुख्यमंत्री योगी से की मुलाकात

लोक पहल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पीलीभीत से बीजेपी सांसद वरुण गांधी बीते लंबे समय से पार्टी के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। कुछ दिनों से उनके कांग्रेस और समाजवादी पार्टी में जाने की भी चर्चा है लेकिन अभी तक इस पूरे मामले पर सुल्तानपुर से बीजेपी सांसद और वरुण गांधी की मां मेनका गांधी खामोश हैं। वहीं मेनका गांधी ने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की।

दरअसल, वरुण गांधी के बीते कुछ दिनों से कांग्रेस समेत कई पार्टियों में जाने की अटकलें चल रही हैं. इसी बीच वरुण गांधी की मां और बीजेपी सांसद मेनका गांधी ने सीएम योगी से मुलाकात की है. इस दौरान मेनका गांधी के साथ सुल्तानपुर के सभी विधायक भी मौजूद रहे. इन लोगों के बीच ये मुलाकात सीएम योगी के आवास कालीदास मार्ग पर हुई है। इस बैठक में मेनका गांधी के साथ बीजेपी विधायक विनोद सिंह, सदर सीट से विधायक राज प्रसाद उपाध्याय, लंभुआ से विधायक सीताराम वर्मा और कादीपुर विधायक राजेश गौतम शामिल थे। दोनों नेताओं के बीच ये मुलाकात क्षेत्र के विकास को लेकर हुई है। बैठक में मेनका गांधी और तमाम विधायकों ने जिले के तमाम विकास कार्यो को पूर्ण कराये जाने की मांग की है। जिसमें करीब 201 करोड़ रूपये की योजनाओं की रूपरेखा मुख्यमंत्री के सामने प्रस्तुत की गई है।

शरीर के लिए बहुत जरूरी है जिंक

त्वचा को रखे स्वस्थ, लो-इूनिटी करे मजबूत

डायबिटीज की स्थिति में हल्के घावों को भी ठीक होने में लंबा समय लग सकता है, इस तरह की स्थिति को मधुमेह के लक्षणों के तौर पर भी जाना जाता है। हालांकि अगर बिना डायबिटीज की समस्या के भी आपमें घावों को भरने में सामान्य से अधिक समय लग रहा है, तो इस पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। कुछ स्थितियों में यह दिक्कत जिंक की कमी के कारण भी हो सकती है। जिंक, शरीर के लिए अति आवश्यक पोषक तत्वों में से एक है। यह त्वचा को स्वस्थ रखने, प्रतिरक्षा प्रणाली और कोशिकाओं की वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जिंक की आहार के माध्यम से हमारे शरीर को रोजाना जरूरत होती है, जो विभिन्न प्रकार के पौधों और पशुओं पर आधारित खाद्य पदार्थों से आसानी से प्राप्त किया जा सकता है, हालांकि कुछ लोगों में इसकी कमी हो सकती है।

जिंक की कमी के कारण होने वाली समस्याएं

शरीर में जिंक की कमी कई प्रकार की समस्याओं का कारण बन सकती है, समय रहते इसके लक्षणों की पहचान करना जरूरी हो जाता है। अस्पष्टीकृत वजन घटने, घावों की जल्दी ठीक न होना, सतर्कता की कमी, गंध और स्वाद की भावना में कमी, बार-बार डायरिया होते रहना, भूख न लगना और त्वचा की समस्या बने रहना, ये संकेत हो सकता है कि आपके शरीर में इस आवश्यक मिनरल की कमी है। जिंक की कमी इूनिटी सिस्टम के लिए भी दिक्कतें बढ़ाने वाली हो सकती है। जिंक की कमी की स्थिति में बालों के झड़ने, त्वचा विकारों और लो-इूनिटी की दि त देखी जाती है।

घावों को भरने में सहायक

जिंक, एक ट्रेस मिनरल है, जिसका अर्थ है कि इसकी शरीर को केवल थोड़ी मात्रा में ही आवश्यकता होती है। डीएनए के निर्माण, कोशिकाओं के विकास, प्रोटीन के निर्माण, क्षतिग्रस्त ऊतकों को ठीक करने और स्वस्थ प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए इसकी जरूरत होती है। त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक पोषक तत्वों में यह सबसे जरूरी है। घावों को भरने के लिए भी जिंक की आवश्यकता होती है।

दस्त में फायदेमंद

जिंक गोलियां दस्त को कम करने में मदद करती हैं। जस्ता (जिंक) की गोलियों का 10-दिनों तक नियमित सेवन, दस्त के इलाज में प्रभावी भूमिका निभाती है और इस स्थिति को भविष्य में दोबारा होने से रोकने में भी मदद करती हैं।

इूनिटी के लिए जिंक की जरूरत

जिंक की कमी के चलते आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली पर भी नकारात्मक असर हो सकता है। यह इूनिटी सेल फंक्शन और सेल सिग्नलिंग के लिए आवश्यक तत्व है, इसकी कमी से प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया कमजोर हो सकती है। जिंक की खुराक प्रतिरक्षा कोशिकाओं को उत्तेजित करती है और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में सहायक है। जिन लोगों में जिंक की कमी होती है उनमें बार-बार संक्रमण होने का जोखिम बना रहता है।

जिंक की पूर्ति करने वाले आहार

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, स्वस्थ और पौष्टिक चीजों के सेवन की आदत जिंक की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सहायक मानी जाती है। इसके लिए मांस, एवोकाडो, अंडे, कद्दू के बीज, ओट्स, पालक, मशरूम और नट्स को आहार का हिस्सा बनाना लाभकारी हो सकता है। इस तरह के आहार से शरीर के लिए दैनिक रूप से आवश्यक जिंक की आसानी से पूर्ति की जा सकती है। जिंक से डायबीटीज जैसी खतरनाक बीमारी सही हो सकती है।

देखो हँस मत देना

पतिः मरते व बीवी सेः अलमारी से तेरा गोल्ड सेट मैंने ही चोरी किया था! बीवी रोते हुएः कोई बात नहीं जी, पतिः तेरे भाई ने तुझे 1 लाख अमानत दी थी, वो भी मैने गायब की! बीवीः मैने आपको माफ किया! पतिः तेरी कमेटी के पैसे भी मैने ही चोरी किये थे! बीवीः कोई बात नहीं जी, आपको जहर भी मैंने ही दिया है।

टीचरः बस के ड्राइवर और कंडटर मे या फर्क है? स्टुडेंटः कंडटर सोया तो किसिका टिकट नही कटेगा, ड्राइवर सोया तो, सबका टिकट कट जायेगा।

लड़काः डिअर मेरी आंखों में देखो, तु या दिख रहा है? मुझे जल्दी से बताओ!' लड़कीः 'सच्चा प्यार' लड़काः ओए सच्चे प्यार की बच्ची कचरा गया है जल्दी फूंक मार।

आज फिर एक सरदार ने कमाल कर दिया, एक सरदार बैंक मे आकर सो गया, जानते हो यों? बैंक के बोर्ड पे लिखा था, सोने पे लोन मिलेगा।

आपने कभी सोचा है, की पती और चाय की पी में या समानता है? दोनों के नसीब में जलना और उबालना लिखा है और वो भी औरतों के हाथ से।

कहानी | शेर और सियार

एक बार की बात है सुंदरवन नाम के जंगल में बलवान शेर रहा करता था। शेर रोज शिकार करने के लिए नदी के किनारे जाया करता था। एक दिन जब नदी के किनारे से शेर लौट रहा था, तो उसे रास्ते में सियार दिखाई दिया। शेर जैसे ही सियार के पास पहुंचा, सियार शेर के कदमों में लेट गया। शेर ने पूछा अरे भाई! तुम ये या कर रहे हो। सियार बोला, आप बहुत महान हैं, आप जंगल के राजा हैं, मुझे अपना सेवक बना लीजिए। मैं पूरी लगन और निष्ठा से आपकी सेवा करूंगा। इसके बदले में आपके शिकार में से जो कुछ भी बचेगा मैं वो खा लिया करूंगा। शेर ने सियार की बात मान ली और उसे अपना सेवक बना लिया। अब शेर जब भी शिकार करने जाता, तब सियार भी उसके साथ चलता था। इस तरह साथ समय बिताने से दोनों के बीच बहुत अच्छी दोस्ती हो गई। सियार, शेर के शिकार का बचा खुचा मांस खाकर बलवान होता जा रहा था। एक दिन सियार ने शेर से कहा, अब तो मैं भी तुारे बराबर ही बलवान हो गया हूं, इसलिए मैं आज हाथी पर वार करूंगा। जब वो मर जाएगा, तो मैं हाथी का मांस खाऊंगा। मेरे से जो मांस बच जाएगा, वो तुम खा लेना। शेर को लगा कि सियार दोस्ती में ऐसा मजाक कर रहा है, लेकिन सियार को अपनी श पर कुछ ज्यादा ही घमंड हो चला था। सियार पेड़ पर चढ़कर बैठ गया और हाथी का इंतजार करने लगा। शेर को हाथी की ताकत का अंदाजा था, इसलिए उसने सियार को बहुत समझाया, लेकिन वो नहीं माना। तभी उस पेड़ के नीचे से एक हाथी गुजरने लगा। सियार हाथी पर हमला करने के लिए उस पर कूद पड़ा, लेकिन सियार सही जगह छलांग नहीं लगा पाया और हाथी के पैरों में जा गिरा। हाथी ने जैसे ही पैर बढ़ाया वैसे ही सियार उसके उसके पैर के नीचे कुचला गया। इस तरह सियार ने अपने दोस्त शेर की बात न मानकर बहुत बड़ी गलती की और अपने प्राण गंवा दिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा यह सप्ताह

मेष

आज का दिन उत्साहपूर्वक व्यतीत होगा। किसी नई बात या योजना के लिए दिन बहुत सही है। अगर कुछ नया करें तो आपके लिए अच्छा रहेगा। कहीं से शुभ समाचार प्राप्त होगा।

वृषभ

आपके लिए आज का दिन काफी खुशनुमा बीतेगा। आप मानसिक रूप से खुश रहेंगे इसलिए थोड़ी बहुत चुनौतियां भी आएंगी तो आप खुशी से उनका सामना करेंगे।

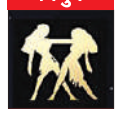

मिथुन

आज आपका दिन शानदार रहेगा। रिश्तेदारों का घर पर आना-जाना लगा रहेगा। शाम तक घर में खुशी का माहौल भी बनेगा। आपका स्वास्थ्य फिट रहेगा।

कर्क

आज मन में विचारों की अधिकता होने से कुछ अशांत रह सकता है। कोई पुराना लेनदेन जो आप भूल ही चुके थे उसका भी आपको लाभ मिलेगा।

सिंह

आज का दिन अपने पुराने कार्य को निपटाने के लिए बेहतर रहेगा। जो काम लंबे समय से रुके हुए उनके जमी हुई धूल को साफ करें तभी आप सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

कन्या

आज आपका दिन शानदार रहेगा। रुके हुए कामों में आपको किसी मित्र की मदद मिलेगी। आपको कोई बड़ी खुशखबरी भी मिलेगी। आप कोई नई योजना बनायेंगे।

तुला

आज आप व्यावसायिक रूप से कार्यों में तेजी महसूस कर सकते हैं इसके साथ आपको लक्ष्य प्राप्त करने की चिंता सता सकती है। आज सामने आने वाले अवसरों पर निगाह रखें।

वृश्चिक

अच्छे आर्थिक लाभ के योग हैं, इसलिए आगे बढ़कर इसका स्वागत करें और मेहनत करें। खाने-पीने पर ध्यान रखें, योंकि स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

धनु

आज आपका दिन उम रहेगा। रास्ते में किसी करीबी दोस्त से आपकी मुलाकात होगी, जिससे मिलकर आप खुश होंगे। ऑफिस में बॉस आपसे खुश होंगे।

मकर

आज आपको शैक्षिक कार्यों में बेहतर परिणाम मिलेंगे। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुओं को संभालकर रखें। बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं।

कु

दिन को बेहतर बनाने की दिशा में आपको चुनौतियों से लड़ना होगा। मानसिक रूप से आप काफी दबाव महसूस करेंगे। जीवनसाथी के साथ विदेश यात्रा की संभावना बन सकती है।

मीन

आज किसी खास व्यक्ति से आपको कोई बड़ा फायदा हो सकता है। आपके कार्यों की प्रशंसा हो सकती है। आपको परेशानियों का समाधान निकल सकता है।

अनुराग के खिलाफ हुमा कुरैशी करेंगी मुकदमा

हुमा कुरैशी और फिल्म मेकर अनुराग कश्यप का साथ बहुत पुराना है। साल 2012 में अनुराग ने ही हुमा को फिल्मों में पहला ब्रेक दिया था। दोनों फिलहाल सोशल मीडिया पर एक दूसरे से मजाक करते नजर आए। हुमा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो लिप शेयर की है और अनाउंसमेंट में की कि वह म्यूजिशियन अमित त्रिवेदी और अनुराग पर उनका गाना चुराने के लिए मुकदमा कर रही है। उनके आरोप का जवाब देते हुए, फिल्म मेकर ने कहा कि गाना चोरी हो सकता है, लेकिन इसे कभी रिलीज नहीं किया गया था। हुमा ने अनुराग की अपकमिंग फिल्म 'ऑलमोस्ट प्यार विद डीजे मोहत' का एक लिप शेयर किया और लिखा, मैं अमित त्रिवेदी और अनुराग कश्यप पर मेरा गाना चुराने का मुकदमा कर रही हूं। वहीं अनुराग ने भी हुमा की इंस्टाग्राम स्टोरीज पोस्ट को रीशेयर करते हुए लिखा, हाहाहा और इसे कभी जारी नहीं करना। उन्होंने पोस्ट में कुछ हार्ट इमोजी भी एड किए थे। बता दें कि हुमा को अनुराग की पॉपुलर क्राइम ड्रामा 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' में देखा गया था, जो 2012 में दो पार्ट्स में रिलीज़ हुई थी। हुमा ने अनुराग के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए कहा था कि उनके आमिर खान के साथ एक सैमसंग एड का डायरेशन अनुराग ने किया था और उन्होंने उस समय उन्हें एक फिल्म का वादा किया था। वह इतनी बेवकूफ थी कि उन्होंने उन्हें बताया कि वह अभी-अभी बंबई आई हैं और किसी को फिल्म मिलने से पहले बहुत संघर्ष करना पड़ता है। 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' में अपनी रोल के लिए ऑडिशन नहीं दिया था।

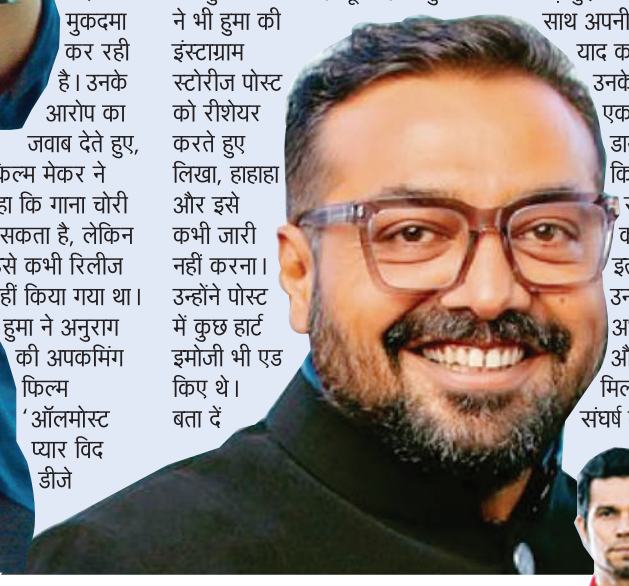

बॉलीवुड | वायरल पिक

सुर्खियों में तारा सुतारिया का कैंडिल लाइट डिनर

तारा सुतारिया कुछ समय से लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं, कभी अपने फिल्मों के कारण, कभी लव लाइफ को लेकर, तो कभी बोल्ड लुस की वजह से। हालांकि, कुछ समय से एट्रेस अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड आदर जैन के साथ ब्रेकअप की खबरों को लेकर चर्चा में हैं, लेकिन उन्होंने खुद कभी इन खबरों पर को मुहर नहीं लगाई है। इसी बीच एट्रेस ने अब इंस्टाग्राम पर अपनी 2 फोटोज शेयर की हैं, जिनमें एट्रेस काफी रिलैस लग रही हैं। इंटरनेट पर उनका ये स्टाइलिश लुक भी खूब वायरल हो रहा है। इन फोटोज में तारा को देखकर ऐसा लग रहा है कि वह कहीं कैंडल लाइट डिनर पर बैठी हैं। उन्होंने यहां अपने सिजलिंग लुस दिखाते हुए कैमरे के सामने खूब पोज दिए हैं। इन फोटोज में तारा व्हाइट कलर की क प्रिंट वाला डीपनेक ड्रेस पहने हुए नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने इस लुक को न्यूड मेकअप से कंप्लीट किया है और बालों को ओपन रखा है। इस लुक में एट्रेस काफी हॉट दिख रही हैं। उन्होंने अपने ग्लैमरस अंदाज दिखाते हुए कैमरे के सामने पोज दिए हैं। अब सोशल मीडिया पर तारा का ये लुक खूब वायरल हो रहा है। लोगों ने उनकी तारीफें करते हुए ढेरों कमेंट्स किए हैं। तारा के चाहने वालों के अलावा मशहूर हस्तियों ने भी एट्रेस की इन फोटोज पर खूब प्यार लुटाया है। तारा की फोटो पर कुछ ही घंटों में लाखों लाइस आ चुके हैं, जो तेजी से बढ़ते ही जा रहे हैं।

गौरतलब है कि तारा पिछली बार मल्टी स्टारर फिल्म एक विलन रिटर्न्स में नजर आई थीं। इस फिल्म में उन्हें अर्जुन कपूर के साथ रोमांस करते हुए देखा गया था। फिलहाल एट्रेस अपूर्वा टाइटल से बन रही फिल्म को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। अभी इस फिल्म के पोस्ट प्रोड्शन का काम चल रहा है। तारा की इस फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन फैंस उन्हें पर्दे पर देखने के लिए काफी उत्साहित हैं।

रणदीप हुड्डा को घुड़सवारी पड़ी महंगी

बॉलीवुड एटर रणदीप हुड्डा का घुड़सवारी और घोड़ों के प्रति प्रेम किसी से भी छिपा नहीं है लेकिन हाल ही में हुई घटना से लोगों को काफी बड़ा झटका लगा है। दरअसल रणदीप हुड्डा घुड़सवारी करते हुए अचानक से बेहोश हो गए। बेहोश होने की वजह से वो घोड़े से गिर गए और उन्हें गंभीक चोटें आई। आनन फानन में उन्हें अस्पताल भर्ती करवाया गया। रणदीप हुड्डा को कोलिबेन अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। डॉटरों ने रणदीप हुड्डा को बेड रेस्ट करने की सलाह दी है। इस घटना की वजह से रणदीप हुड्डा को काफी चोटें आई हैं। इससे पहले भई एक बार रणदीप हुड्डा सलमान खान के साथ

बॉलीवुड | मसाला

शूटिंग करते हुए घायल हुए थे। उसके बाद ये उनके साथ हुआ दूसरा हादसा है। सलमान खान के साथ रणदीप उस व राधे के लिए शूटिंग कर रहे थे। रणदीप को इतनी भयानक चोट लगी कि उन्हें दाएं पैर की सर्जरी करवानी पड़ गई। रणदीप हुड्डा के एसीडेंट की खबर से फैंस के बीच सनसनी मच गई है। सभी उनकी अच्छी सेहत और जल्द रिकवरी की दुआ मांग रहे हैं। रणदीप हुड्डा के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभी तक सरबजीत, हाईवे जैसी फिल्मों से उन्होंने बॉलीवुड में अपनी एटिंग का डंका बजा दिया है। ऐसे में वो बेहद कमाल की एक और फिल्म लेकर आने वाले हैं। इस फिल्म में सभी दर्शक उन्हें वीर सावरकर की भूमिका निभाते हुए देख सकेंगे।

लाओस के शियांगखुआंग में मौजूद हैं 400 से म्यादा पत्थर के रहस्यमयी मटके

पूरी दुनिया में तमाम रहस्य मौजूद हैं, जिनके बारे में आजतक कोई पता नहीं लगा पाया। ऐसा ही एक रहस्य मौजूद है दक्षिण एशियाई देश लाओस में, जहां सदियों से पत्थर के सैकड़ों मटके मौजूद हैं। पत्थर के इन मटकों को प्लेन ऑफ जार यानी जार का मैदान कहा जाता है। मैदान पर मौजूद पत्थर के बड़े-बड़े मटके आज भी रहस्य बने हुए हैं। साथ ही ये पूरी दुनिया को हैरान भी करते हैं। बता दें कि लाओस के शियांगखुआंग प्रांत में 90 से ज्यादा ऐसे स्थान है जहां 400 से अधिक पत्थर के जार यानी मटके मौजूद हैं। इनमें से कई मटकों के ऊपर पत्थर के ढ न भी रखे हुए हैं। बताया जाता है कि इन मटकों की ऊंचाई एक से तीन मीटर तक है। बता दें कि वियतनाम युद्ध के दौरान 1964 से 1973 के बीच अमेरिकी वायु सेना ने शियांगखुआंग प्रांत में 26 करोड़ से अधिक लस्टर बम गिराए थे, हालांकि इनमें से कई करोड़ ऐसे थे, जो फटे ही नहीं। जो बम फटे नहीं थे वह बम आज भी पत्थरों के मटके वाले कई इलाकों में मौजूद हैं और तब से लेकर अबतक ऐसे ही हैं। हालांकि, सरकार ने कुछ जगहों से इन बमों को हटा दिया है। पुरातत्वविदों का मानना है कि ये हजारों रहस्यमय पत्थर के बने मटके लौह युग के हैं। हालांकि उस समय ये यों बनाए गए थे, इसका रहस्य आज भी स्पष्ट नहीं है, लेकिन कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि शायद इनका इस्तेमाल अंतिम संस्कार के व अस्थि कलश के तौर पर किया जाता होगा। इस रहस्यमय और अनोखी जगह को यूनेस्को की विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया है। लाओस की सरकार ने इसके लिए बहुत पहले आवेदन कर दिया था, जिसके बाद छह जुलाई 2019 को इसे विश्व धरोहर स्थलों में शामिल कर लिया गया।

अजब-गजब | प्रथम विश्वयुद्ध में पूरी तरह से बर्बाद हो गये थे कई गांव

पिछले सौ सालों से वीरान पड़ा है इलाका

तीन साल पहले कोरोना वायरस महामारी ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया था। उसके बाद मानों पूरी दुनिया रुक सी गई थी, योंकि कोरोना वायरस को रोकने के लिए सभी देशों ने श लॉकडाउन लगाया था। जिसके चलते लोगों को कई महीनों तक घरों में कैद रहना पड़ा। इस वायरस के चलते दुनियाभर में लाखों लोगों की जान चई गई। ऐसा कोई पहली बार नहीं हुआ था। बल्कि इससे पहले भी कई बार ऐसी बीमारियां पैदा हुई, जिन्होंने सैकड़ों लोगों की जान ले ली।

फ्रांस में एक गांव ऐसा है जो पिछले सौ साल से बीरान पड़ा है। इस गांव में इंसानों के साथ-साथ जानवरों के जाने पर भी पाबंदी है। इस गांव का नाम है जोन रोग। जोन रोग फ्रांस के उर-पूर्वी इलाके में स्थित है। पिछले 100 सालों से इस इलाके को फ्रांस के बाकी क्षेत्रों से काटकर रखा गया है, जिससे यहां कोई आ जा न सके। इतना ही नहीं, इस इलाके में जगह-जगह डेंजर जोन के बोर्ड भी लगे हुए हैं, जो यह दर्शाते हैं कि यहां आना अपनी जान को जोखिम में डालना है।

दरअसल, फ्रांस के इस इलाके को रेड जोन के नाम से जाना जाता है। प्रथम विश्व युद्ध से पहले यहां कुल नौ गांव थे, जहां लोग रहा करते थे और खेती करके अपना गुजारा करते थे। लेकिन विश्वयुद्ध में यहां इतने गोला-बारूद और बम गिरे कि पूरा का पूरा इलाका बर्बाद हो गया। यहां लाशों के ढेर लग गए और भारी मात्रा में केमिकल युक्त युद्ध सामग्री पूरे इलाके में फैल गई। बताया जाता है कि इस इलाके में जमीन ही नहीं बल्कि पानी भी जहरीला हो गया है।

इस पानी को साफ करना मुश्किल ही नहीं बल्कि नामुमकिन है। इन्हीं कारणों से फ्रांस की सरकार ने इसे जोन रोग या रेड जोन घोषित कर दिया और इंसानों से लेकर जानवरों तक के यहां आने पर पाबंदी लगा दी। साल 2004 में कुछ शोधकर्ताओं ने जोन रोग की मिट्टी और पानी का परीक्षण किया। जिसमें भारी मात्रा में आर्सेनिक पाया गया। आर्सेनिक एक जहरीला पदार्थ है, जिसकी एक छोटी सी मात्रा ही अगर गलती से भी इंसान के मुंह में चला जाए तो कुछ ही घंटों में उसकी मौत हो जाती है।

हालांकि कुछ लोग इस जगह को भुतहा भी मानते हैं। उनका मानना है कि पहले विश्व युद्ध के दौरान मारे गए लोगों के आत्माएं यहां भटकती रहती हैं। हालांकि, उस समय के नौ गांव, जो युद्ध में बर्बाद हो गए, उनमें से दो गांवों का आंशिक रूप से पुनर्निमाण चल रहा है, जबकि बाकी के छह गांव अभी भी वीरान हैं।

लोक पहल, राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक, मुमुक्षु आश्रम, शाहजहॉपुर, प्रधान संपादक अरूण पाराशरी

लोक पहल हिन्दी साप्ताहिक स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. अवनीश कुमार मिश्रा द्वारा शाहजहॉपुर प्रिन्टर्स जज साहब वाली गली, तारीन बहादुरगंज जिला शाहजहॉपुर 242001 से मुद्रित व 160 रोशनगंज लक्ष्मी राईस मिल, शाहजहॉपुर 242001 उ0प्र से प्रकाशित। संपादक–सुयश सिन्हा मो. 9935740205 E-mail : lokpahalspn@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र शाहजहॉपुर होगा।